CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 70 ता. 07 सितम्बर 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार, कहा-

हमारे सब्र का इम्तेहान न लें

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न न्यायाधिकरणों में रिक्त पदों पर भर्ती नहीं किये जाने पर केंद्र सरकार को सोमवार को कड़ी फटकार लगायी और कहा कि उसके धैर्य की परीक्षा न ली जाये। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के जरिये केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए आगाह किया कि यदि नियुक्तियों में ढीला-ढाला रवैया अपनाया गया तो सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना से संबंधित कार्रवाई शुरू की जाएगी। न्यायमूर्ति रमन ने कहा, ''इस

अदालत के फैसले के लिए कोई सम्मान नहीं है। आप हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ व्यक्तियों के नियुक्त किये जाने की बात कही है, लेकिन कितने व्यक्ति नियुक्त हुए हैं। वे नियुक्तियां कहां हैं? न्यायमूर्ति रमन ने चेतावनी देते हुए कहा, ''हमारे पास तीन विकल्प हैं। पहला, हम कानून पर रोक लगा दें। दूसरा, हम न्यायाधिकरणों को बंद करने का आदेश दें और उसकी शक्ति उच्च न्यायालय को सौंप दें। तीसरा विकल्प यह है कि हम खुद ही नियुक्तियां कर दें।'

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राव ने भी कहा कि न्यायाधिकरणों के सदस्यों की नियुक्तियां न करके सरकार ने इन्हें प्रभावहीन बना दिया है। न्यायालय ने सरकार को एक मौका और देते हुए मामले की सुनवाई के लिए 13 सितम्बर की तारीख मुकर्रर की।

उपलब्धि:भारतीय वायु सेना को मिलेगा पहला नेशनल हाइवे, युद्ध के दौरान फाइटर जेट की हो सकेगी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना को ऐसा पहला नेशनल हाइवे मिलने जा रहा है, जहां पर युद्ध के दौरान वायु सेना फाइटर जेट की इमरजेंसी लैंडिंग करवा सकेगी।न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों की मानें तो भारतीय वायु सेना राजस्थान के बाड़मेर में बन रहे नेशनल हाइवे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ इसी सप्ताह मॉकड्रिल कर सकती है। फाइटर जेट व अन्य विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग के लिए हाइवे पर बनाए गए 3.5 किलोमीटर लंबे एयरस्ट्रिप का इसी सप्ताह दोनों मंत्री उद्घाटन भी कर सकते हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भी हो चुकी है लैंडिंग

इससे पहले अक्टूबर, 2017 में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भी भारतीय वायु सेना इमरजेंसी लैंडिंग करवा चुकी है। हालांकि, यह एक्सप्रेस वे उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन है। इसलिए राजस्थान के बाड़मेर का हाइवे

पहला राष्ट्रीय राजमार्ग हो जाएगा, जहां पर ऐसी सुविधा होगी। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाइवे पर वायु सेना के अधिकारियों की देखरेख में एयरस्ट्रिप का काम जारी है।

देश भर में चयनित किए गए 12 नेशनल हाइवे: युद्ध के समय आपात लैंडिग के लिए वायु सेना ने देश भर में 12 नेशनल हाइवे चिह्नित किए हैं। ये हाइवे अलग-अलग राज्यों में स्थित हैं। सूत्रों के मुताबिक, इन पर एयरस्ट्रिप का काम जारी है।

हिमाचल में 100 फीसदी लोगों को पहली डोज

पीएम मोदी बोले- कोरोना से लड़ाई में चैंपियन बना राज्य, स्वास्थ्यकर्मियों को दिया ये लक्ष्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड वैक्सीन की पहली डोज में हिमाचल के अव्वल रहने पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के स्वास्थ्यकर्मियों से कहा कि दूसरी डोज में भी इसी जुनून को बनाए रखना है। इसमें भी हिमाचल को नंबर वन रखना है।

लाहौल-स्पीति के वैक्सीनेशन लाभार्थी नवांग उपासक से पीएम नरेंद्र ने यह भी जानना चाहा कि अटल टनल के बन जाने के बाद लाहौल-स्पीति के जनजीवन में किस तरह का बदलाव आया। नवांग ने कहा कि होम स्टे बन रहे हैं। क्षेत्र में पर्यटन

को पंख लग रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को प्रदेश के कोविड टीकाकरण लाभार्थियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से वर्चुअल माध्यम से बातचीत की। सिविल अस्पताल डोडरा क्वार के डॉक्टर राहुल ने पीएम को बताया कि कोरोना वायरस से बचाव और टीकाकरण के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए टीमों का गठन किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगों को घर-घर जाकर इस बारे में जागरूक कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पीटरहॉफ में वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की। जयराम ठाकुर ने बताया कि 30 नवंबर तक दूसरी डोज का लक्ष्य तय किया गया है। पहली डोज का लक्ष्य 53.77 लाख था। 55 लाख लोगों को पहली डोज का टीका लगाया गया है। 72 लाख से ज्यादा लोगों को अब तक कोरोना वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमीरपुर की 84 वर्षीय महिला लाभार्थी से बात की। वार्ड नंबर दो की रहने वाली निर्मला देवी ने कहा, बाजू में दर्द भी ठीक हो गया, डबल फायदा हुआ। महिला ने सभी लोगों से कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए।

जावेद अख्तर को शिवसेना का जवाब

आपने कट्टरपंथियों के मुखौटे फाड़े, फिर भी हमें आरएसएस और तालिबान की तुलना स्वीकार नहीं

मुंबई। जावेद अख्तर की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और तालिबान की तुलना किए जाने पर शिवसेना ने जवाब दिया है। अपने मुखपत्र सामना में शिवसेना ने लिखा है कि यह तुलना सही नहीं है। आरएसएस अगर तालिबानी विचारों वाला होता तो तीन तलाक के खिलाफ कानून न बना होता। लाखों मुस्लिम महिलाओं को आजादी नहीं मिलती।

आगे शिवसेना की ओर से लिखा गया है कि देश में बहुसंख्यक हिंदुओं की आवाज को दबाया न जाए। हमारे देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का प्रयास करने वाले जो संगठन हैं, उनकी हिंदू राष्ट्र निर्माण की अवधारणा सौम्य है।

सामना में लिखा है कि जावेद अख्तर अपने मुखर बयानों के

लिए जाने जाते हैं। देश में जब-जब राष्ट्रदोही विकृतियां उफान पर आती हैं, जावेद अख्तर उन लोगों के मुखौटे फाड़ते हैं। कट्टरपंथियों की परवाह किए बगैर उन्होंने वंदे मातरम गाया है। फिर भी संघ की तालिबान से तुलना हमें अस्वीकार्य है।

शिवसेना की ओर से लिखा गया है कि तालिबानी शासन समाज और मानव जाति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पाकिस्तान, चीन जैसे राष्ट्रों ने उसका समर्थन किया है। हिंदुस्तान की मानसिकता वैसी नहीं है। हम सहिष्णु हैं। लोकतंत्र के बुरखे की आड़ में कुछ लोग तानाशाही लाने का प्रयास कर रहे हैं, फिर भी उनकी एक सीमा है। इसलिए यह तुलना उचित नहीं है। तालिबान ने अफगानिस्तान को नर्क बना दिया है। महिलाओं पर जुल्म हो रहे हैं। लाखों लोग देश छोड़कर भाग गए हैं। हमारा हिंदुस्तान ऐसा नहीं है।

राहुल गांधी ने किया किसानों का समर्थन, बोले- डटा है और निडर है भारत का भाग्य विधाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसानों की 'महापंचायत' के बाद सोमवार को आंदोलनकारी किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि 'भारत का भाग्य विधाता' डटा हुआ है और निडर है। उन्होंने किसानों की 'महापंचायत' में उमड़ी भीड़ की एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''डटा है, निडर है, इधर है भारत भाग्य विधाता!'

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इसी से संबंधित एक खबर का उल्लेख करते हुए दावा किया, ''यही है देश कि सच्चाई। केवल, देश बेचने वाले शासकों को नहीं दिख रही।' केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में रविवार

को विभिन्न राज्यों के किसान मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में किसान महापंचायत के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए। अगले वर्ष के शुरु में होने वाले, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस आयोजन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 'किसान महापंचायत' का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से किया गया। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन को नौ महीने से अधिक समय हो गया है। किसान उन कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं जिनसे उन्हें डर है कि वे कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था को खत्म कर देंगे, तथा उन्हें बड़े कारोबारी समूहों की दया पर छोड़ देंगे। सरकार इन कानूनों को प्रमुख कृषि सुधार और किसानों के हित में बता रही है। सरकार और किसान संगठनों के बीच 10 दौर से अधिक की बातचीत हुई, हालांकि गतिरोध खत्म नहीं हुआ।

किसान महापंचायत हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे के प्रयास अति-सराहनीय : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत के दौरान हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिक सद्भाव के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से समाजवादी पार्टी सरकार में 2013 के दंगों के गहरे घावों को भरने में मदद करेगा। उन्होंने ट्वीट किया, 'उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में कल हुई किसानों की महापंचायत में हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए भी प्रयास अति-सराहनीय। इससे निश्चय ही सन 2013 में सपा सरकार में हुए भीषण दंगों के गहरे जख्मों को भरने में थोड़ी मदद मिलेगी किन्तु यह बहुतों को असहज भी करेगी।'

मायावती ने कहा, 'किसान देश की शान हैं तथा हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा के लिए मंच से साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए लगाए गए नारों से भाजपा की नफरत से बोयी हुई उनकी राजनीतिक जमीन खिसकती हुई दिखने लगी है तथा मुजफ्फरनगर ने कांग्रेस व सपा के दंगा-युक्त शासन की भी याद लोगों के मन में ताजा कर दी है।'

मुजफ्फरनगर जिले में, हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच संघर्ष अगस्त-सितंबर 2013 में हुआ था। इसके परिणामस्वरूप हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के कम से कम 62 लोगों की मौतें हुई थी। गौरतलब हैं कि केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले नौ माह से आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने रविवार को मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत का आयोजन किया था। जिसमें 27 सितंबर को 'भारत बंद' का ऐलान किया गया है।

बंगाल उपचुनाव: ममता बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार उतारने पर कांग्रेस एक राय नहीं, पर भाजपा में छह नामों पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में 30 सितंबर को उपचुनाव तय किए गए हैं। इनमें ममता बनर्जी के अपनी परंपरागत सीट भवानीपुर से लड़ने की बात लगभग तय मानी जा रही है। इस बीच जहां कांग्रेस ममता के खिलाफ उम्मीदवार न उतारने पर विचार कर रही है, वहीं भाजपा नेतृत्व छह-छह कद्दावर नेताओं के नाम पर चर्चा कर रहा है। बताया जा रहा है कि ममता को भवानीपुर में झटका देने के लिए भाजपा एड़ी चोटी का जोर लगा सकती है।

ममता के खिलाफ किन नेताओं के नाम पर चल रहा विचार?

रिपोर्ट्स की मानें तो भाजपा ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर से जिन छह नामों पर विचार कर रही है, उनमें टीएमसी से पूर्व राज्यसभा सांसद दिनेश त्रिवेदी का नाम सबसे ऊपर है। इसके बाद रुद्रनील घोष (जिन्हें इसी सीट पर तृणमूल के सोवनदेब चट्टोपाध्याय ने हराया था), मेघालय और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल और बंगाल में पार्टी के वरिष्ठ नेता तथागत रॉय, बोलपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार रहे अनिर्बान गांगुली (जिन्हें टीएमसी के चंद्रनाथ सिन्हा के हाथों हार मिली थी), स्वपन दासगुप्ता (तारकेश्वर से टीएमसी के रामेन्दु सिन्हा रे के खिलाफ हारे) और भाजपा के उपाध्यक्ष प्रताप बनर्जी के नामों पर भी चर्चा जारी है।

ज्यादातर भाजपा नेताओं का मानना है कि ममता बनर्जी के सामने इस बार दिनेश त्रिवेदी सबसे बेहतर उम्मीदवार हो सकते हैं। दरअसल, इसके पीछे भाजपा का गणित यह है कि सीट पर जो 2 लाख से ज्यादा वोटर हैं, उनमें 50 हजार भाजपा के समर्थन वाले हैं। इनमें बंगालियों के साथ गुजराती, सिख, बिहारी, मारवाड़ी और दूसरे समुदाय के लोग भी शामिल हैं।

किसान आंदोलन: सिंघु बॉर्डर खाली कराने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का इनकार, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट जाने के निर्देश

नई दिल्ली। किसान आंदोलन की वजह से बंद पड़े सिंघु बॉर्डर को खोलने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट में दो स्थानीय लोगों की याचिका में कहा गया था कि सड़क कई महीनों से बंद है इसलिए सुप्रीम कोर्ट सरकार से सड़क खोलने का निर्देश दे या फिर दूसरी सड़क बनाने का आदेश जारी करे, ताकि लोगों का आना जाना आसानी से होता रहे।

यूपी विधानसभा चुनाव 2022 : अजय कुमार लल्लू ने कहा- कांग्रेस केवल छोटे दलों से करेगी गठबंधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सपा और बसपा के साथ गठबंधन से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केवल छोटे दलों के साथ गठजोड़ करेगी। उन्होंने दो टूक कहा कि पार्टी चुनावों के लिए बड़े दलों के साथ हाथ मिलाने के बारे में सोचेगी भी नहीं।

उन्होंने कहा कि पिछले 32 सालों के दौरान प्रदेश में भाजपा, बसपा और सपा का शासन रहा है और इन दलों की सरकारें लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरी। कांग्रेस फिर से प्रदेश में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता की नजरों में अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा की टक्कर में केवल कांग्रेस है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सपा और बसपा के साथ गठबंधन से साफ इनकार कर दिया।

उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में चुनाव में जीत हासिल करेगी और अगली सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला पार्टी का आलाकमान करेगा।

CMYK

सार समाचार

रूसी बच्चे को बहला-फुसलाकर किया अप्राकृतिक व्यावहार, पुलिस कर रही आरोपी की तलाश

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में वृन्दावन निवासी एक रूसी भक्त ने गोवर्धन थाने में रिपोर्ट लिखाई है कि राधाकुण्ड में रहने वाले एक किशोर ने उनके बच्चे के साथ कथित रूप से अप्राकृतिक कृत्य को अंजाम दिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पीड़ित बच्चे को चिकित्सीय परीक्षण के लिये भेज दिया है तथा आरोपी की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजीव कुमार दुबे ने बताया, रविवार को वृन्दावन निवासी कृष्णभक्त रूसी व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके बेटे की एक स्थानीय किशोर से दोस्ती है। आरोप है कि करीब तीन माह पूर्व किशोर ने उसके बेटे को बहला-फुसलाकर उसके साथ कथित कुकृत्य किया था, लेकिन बालक ने डर की वजह से इस बारे में जानकारी नहीं दी थी और विगत दिनों बेटे ने इस बारे में जानकारी दी। दुबे ने बताया कि पीड़ित बालक के पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित व आरोपी, क्रमश- नौ एवं 13 साल के हैं। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पबजी खेलते समय युवक की हुई मौत,गेम खेलते समय आया अटैक

भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में पबजी खेलने के दौरान 11वीं के छात्र की मौत हो गई है। वे गेम खेलते समय अचानक चीखा और बेहोश हो गया। जिसके बाद परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों का कहना है कि वह दिव्यांग था, इसलिए बाहर कम ही जाता था। आपको बता दें कि घटना जिले के अमीना शांतिनगर की है। दीपक पुत्र रमेशचंद्र राठौर पैर से दिव्यांग था। हाल ही में उसने योगिता बालमंदिर स्कूल से 10वीं की परीक्षा पास की थी और 11वीं में दाखिला लिया था। वह रविवार दोपहर अपने घर पर मोबाइल पर गेम खेल रहा था, तभी अचानक जोर से चीखा। और कुछ समय बात उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं पुलिस ने अज्ञात कारणों को लेकर मामला दर्ज किया है। पीएम के बाद सोमवार सुबह शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मृतक की विसरा रिपोर्ट भोपाल भेजी जाएगी और उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि युवक की मौत कैसे हुई। दरअसल दीपक परिवार में सबसे छोटा था। दीपक का एक बड़ा भाई श्याम राठौर तेल पैकिंग कंपनी में कार्य करता है, जबकि तीन बड़ी बहनें हैं। बताया जा रहा है कि 2 बहनों की शादी हो चुकी है। मम्मी धागा कंपनी में कार्य करती है। यह भी बताया जा रहा है कि दीपक के पिता की 5 वर्ष पहले हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है।

दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहे हैं राहुल गांधी: भाजपा

नई दिल्ली। किसान आंदोलन की एक पुरानी तस्वीर को साझा करने और उसे वर्तमान समय की तस्वीर बताने के लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता दूसरे के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, देश में जब भी भ्रम की, झूठ की राजनीति होती है, तो राहुल गांधी का हाथ होता ही है। आज राहुल गांधी ने किसान आंदोलन की पुरानी तस्वीर को ट्वीट कर उसे वर्तमान का फोटो बताया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा था, डटा है, निडर है, इधर है भारत का भाग्य विधाता। हालांकि अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने मुजफ्फरनगर में रविवार को हुई किसान महापंचायत का जिक्र नहीं किया था। पात्रा ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष विहीन है और वह जमीन पर किसी मुद्दे को उठा नहीं पा रही। यह बात राहुल गांधी को पता है। इसलिए वे झूठी तस्वीरों के जरिए राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। पात्रा ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, अपने संगठन को आगे नहीं बढ़ाना, अपने संगठन को अध्यक्ष विहीन रखना, परिश्रम नहीं करना और दूसरे के कंधों पर बंदूक रखकर चलाने का प्रयास करना राहुल गांधी की आदत बन चुकी है। देश में चल रहे टीकाकरण अभियान के बारे में बात करते हुए पात्रा ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे तेज और सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चल रहा है और पूरी दुनिया इसकी सराहना कर रही है, लेकिन राहुल गांधी टीकाकरण के संदर्भ में एक भी ट्वीट नहीं करते हैं।

वरुण गांधी ने प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत का आह्वान किया, जयंत का मिला समर्थन

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने रविवार को तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों को 'अपना ही भाई बंधु' करार देते हुए कहा कि सरकार को उनसे दोबारा बातचीत करनी चाहिए ताकि सर्वमान्य हल तक पहुंचा जा सके। उनकी इस टिप्पणी का राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) नेता जयंत चौधरी ने समर्थन किया है। यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा आयोजित महापंचायत के बीच आई है। इस महापंचायत में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में किसान जुटे हैं। गांधी ने लोगों के हुजूम का एक वीडियो ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा,'' आज मुजफ्फरनगर में विरोध प्रदर्शन के लिये लाखों किसान इकट्ठा हुए हैं। वे हमारे अपने ही हैं। हमें उनके साथ सम्मानजनक तरीके से फिर से बातचीत करनी चाहिए और उनकी पीड़ा समझनी चाहिए, उनके विचार जानने चाहिए और किसी समझौते तक पहुंचने के लिए उनके साथ मिल कर काम करना चाहिए।'' अगले वर्ष की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, इस लिहाज से इस आयोजन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गांधी की प्रशंसा करते हुए चौधरी ने कहा, 'वरुण भाई ने जो कहा है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं लेकिन देखिए उत्तर प्रदेश के खुर्जा से भाजपा विधायक क्या टिप्पणी कर रहे हैं।

जाति आधारित जनगणना: फिर बोले सीएम नीतीश, यह समाज को बांटने के लिए नहीं बल्कि एकजुट करने के लिए है

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

बिहार में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर राजनीति गर्म है। एक बार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार ने जाति आधारित जनगणना की मांग करते हुए बड़ी बात कही है। पटना में पूछे गए एक सवाल के जवाब में नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि जाति आधारित जनगणना की मांग समाज को बांटने के लिए नहीं बल्कि एकजुट करने के लिए है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक नीतीश कुमार ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से ये मांग उठ रही है। इसके बारे में सोचना है और निर्णय लेना है। ये तो उनका (प्रधानमंत्री) काम है अभी तो कुछ आया नहीं है, इसलिए अभी हम क्या कह सकते हैं? ये समाज को बांटने के लिए नहीं बल्कि एकजुट करने के लिए है।

आपको बता दें कि बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राजद भी लगातार जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहा है। कुछ दिन पहले ही नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के सभी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर जाति आधारित जनगणना की मांग रखी थी। पीएम से मिलने के बाद नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा था कि हमने अपना पक्ष रखा है। बाकी निर्णय प्रधानमंत्री जी को लेना है। तेजस्वी यादव लगातार कहते आ रहे हैं कि जब देश में पशुओं की गिनती हो सकती है तो फिर जातियों की गिनती क्यों नहीं हो सकती है।

वहीं बिहार में भीषण बाढ़ की तबाही है। बाढ़ का जायजा लेने के लिए गृह मंत्रालय की एक टीम राज्य के दौरे पर है। इसी को लेकर नीतीश कुमार ने सवाल किया गया। नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग अपनी तरफ से कर रहे हैं। वे (केंद्रीय टीम) आकर देखेंगे और लगेगा कि इसमें मदद करनी चाहिए तो करेंगे। हर साल निवेदन किया जाता है कि आकर देख लीजिए कि कितना ज़्यादा क्षेत्र प्रभावित है। अभी हर साल जैसी खराब स्थति नहीं आई है।

रक्षा आयात पर निर्भर रहते हुए क्षेत्रीय महाशक्ति नहीं बन सकते : राष्ट्रपति कोविंद

पणजी (एजेंसी)।

भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि कोई भी देश रक्षा आयात पर निर्भर रहते हुए आर्थिक या क्षेत्रीय महाशक्ति बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता है। इंडियन नेवल एविएशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोविंद ने यह भी कहा कि संकट के समय में भारतीय नौसेना की त्वरित और प्रभावी तैनाती ने पसंदीदा सुरक्षा भागीदार होने के भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। कोविंद ने कहा, जैसे ही हम पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ते हैं, हमें यह याद रखना चाहिए कि कोई भी देश अपनी रक्षा के लिए आयात पर निर्भर रहते हुए आर्थिक या क्षेत्रीय महाशक्ति बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता है। भारतीय नौसेना स्वदेशीकरण में सबसे आगे रही है और यह नौसेना की वर्तमान और भविष्य की अधिग्रहण योजनाओं में अच्छी तरह से परिलक्षित होती है, जो स्वदेशीकरण द्वारा संचालित हैं। भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुसरण में, भारतीय नौसेना विमानन ने उन्होंने मेक इन इंडिया अभियान के अनुरूप लगातार प्रगति की है। भारत के राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत के सबसे नए विमानवाहक पोत, नए विक्रांत ने समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने सभी क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हिंद-प्रशांत में मित्रों और भागीदारों के साथ अपने राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं।

क्या दिल्ली की तरह उत्तराखंड में भी चलेगी मुफ्त वाली राजनीति ? कितनी मजबूत हो पाएगी आम आदमी पार्टी

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में तमाम पार्टियों ने चुनावी रणनीतियां बनाना शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने तो सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और मुख्यमंत्री उम्मीदवार की भी घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी ने उत्तराखंड में मुफ्त बिजली का वादा किया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था अगर पार्टी सत्ता में आई तो 300 यूनिट तक बिजली का बिल मुफ्त दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि दिल्ली अपने बूते बिजली नहीं पैदा करती है और दूसरे राज्यों से खरीदती है, बावजूद इसके दिल्ली में बिजली मुफ्त है। उत्तराखंड के लोगों को मुफ्त में बिजली नहीं मिलनी चाहिए ? हालांकि मतदाता क्या सोचते हैं इसका पता तो चुनाव बाद ही चलेगा।

भाजपा-कांग्रेस को होगा घाटा: उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में आप की मौजूदगी से भाजपा और कांग्रेस को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दिल्ली में आंधी की तरफ दूसरी पार्टियों उड़ा देने वाली आप ने उत्तराखंड को लेकर अपनी रणनीतियों को बना लिया है। दूसरे राज्यों से आंकलन किया जाए तो आप का बढ़ता प्रभाव कांग्रेस की सीटों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है और फिर भाजपा को। उत्तराखंड में तो हमेशा ही सत्ता परिवर्तन होता है, इसी आशंका के चलते भाजपा ने प्रदेश में दो मुख्यमंत्रियों को बदलकर पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया, जिसे बेरोजगारी से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तराखंड की राजनीति में दो ही मुख्य पार्टियां हैं। कांग्रेस और भाजपा लेकिन आप भी अपना कद बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश के कोरोना योद्धाओं, स्वास्थ्य कर्मियों और लाभार्थियों से किया वैक्सीन संवाद- हिमाचल प्रदेश वैक्सीनेशन अभियान का चैम्पियन बना- प्रधानमंत्री

शिमला। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम द्वारा प्रदेश के कोरोना योद्धाओं और लाभार्थियों के साथ वैक्सीन संवाद के बाद प्रदेश की जनता को सम्बोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर पीटरहॉफ शिमला में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर नई दिल्ली से कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश सरकार और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक देने में हिमाचल प्रदेश चैम्पियन बन कर सामने आया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दूसरी खुराक का शत-प्रतशत लक्ष्य हासिल करने में भी हिमाचल प्रदेश प्रथम स्थान पर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने यह लक्ष्य प्रदेश सरकार की कार्य कुशलता और जन-जागरूकता के परिणामस्वरूप हासिल किया है। उन्होंने वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाने में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए जूझते हुए हिमाचल को देखा है और आज विकास की गाथा लिखने वाले हिमाचल को भी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज लगाने में हिमाचल देश भर में पहला राज्य बना है, जबकि दूसरी डोज के मामले में हिमाचल एक तिहाई आबादी को कवर कर चुका है। हिमाचल के इस कदम ने अहसास दिलाया है कि आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने संस्कृति को विज्ञान से जोड़ा है और वैक्सीनेशन लक्ष्य हासिल कर देश का भी आत्मविश्वास बढ़ाया है। हिमाचल प्रदेश ने स्वयं की क्षमता पर विश्वास किया और तय लक्ष्य हासिल किया। यह उपलब्धि सभी के बुलंद हौंसलों का परिणाम है। इसमें महिलाओं की भूमिका बहुत अह्म रही है। पहाड़ी व कठीन भौगोलिक क्षेत्र होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए जिस प्रकार की व्यवस्था बनाई वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने तीव्र टीकाकरण बिना वेस्टेज के सुनिश्चित किया है। जन संवाद व जनभागीदारी टीकाकरण की सफलता का पहलू है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने सिद्ध कर दिया है कि आस्था, शिक्षा और विज्ञान सब मिलकर बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि तीव्र टीकाकरण और सम्पर्क सुविधा से प्रदेश को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने प्रदेश में भू-सर्वेक्षण करने और भूस्खलन की पूर्व चेतावनी के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करने का परामर्श दिया। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हिमाचल के वीर जवानों की तरह राज्य के किसान भी मिट्टी की सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत इस समय एक दिन में सवा करोड़ टीके लगाने का रिकार्ड बना रहा है। हिमाचल ने स्वंय की क्षमता और अपने स्वास्थ्य कर्मियों और वैज्ञानिकों पर विश्वास किया। इस सफलता का श्रेय डॉक्टरों, पैरा-मैडिकल स्टाफ तथा हिमाचल की महिलाओं को जाता है। उन्होंने कहा कि हिमाचलवासियों ने वैक्सीन के बारे में किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं किया। हिमाचल इस बात का गवाह है कि ग्रामीण समाज दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण को सफल बना रहा है जिसका लाभ हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को फिर भी कोरोना नियमों का पालन करना होगा।

गोरखपुर में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई

संवाददाता रामलखन डि सहानी, सुरत भूमि, गोरखपुर । मोहद्दीपुर स्थित द वर्ल्ड इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया । सर्व प्रथम डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित और केक काट कर शिक्षकों ने कार्यक्रम की शुरुआत की । केक खिलाकर अध्यापक और छात्रों ने एक दूसरे को शिक्षक दिवस की बधाई दी । इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। देर शाम तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया । जाना है कावंरियों के बीचे, बलम कोई फोटो न खींचे धुन पर अंजली यादव व बेबो साहनी की धमाकेदार प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया । वैभव साहनी ने गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु ,गुरु देवो महेश्वर : के जरिए गुरु की महिमा का बखान किया तो वहीं गौरव साहनी व अंजली साहनी ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला । दिव्यांश साहनी ने पब्जी गेम पर कविता सुनाकर गेम के दुष्परिणाम को बताते हुए वाहवाही लूटी । आतिश, लक्ष्य, ओम प्रकाश, देव, अमित, आदित्य, अंकित, दिव्या, मुस्कान, सौम्या, अंश, शिवांश की भी प्रस्तुति सराही गई । इंस्टीट्यूट के प्रबंधक एडवोकेट विजय प्रकाश साहनी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम होती है । शिक्षक का आचरण समाज के लिए आईना होता है । पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ संस्कारित शिक्षा जरूरी है । इस अवसर पर संचालक विनय साहनी, अध्यापक विराट तिवारी, अंकित पाण्डेय, दिनेश साहनी, विवान सिंह, अलका साहनी व सागरिका सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

पाकिस्तानी झंडे में गिलानी के शव को लपेटने पर एफआईआर दर्ज किए जाने की हुर्रियत ने की निंदा

श्रीनगर (एजेंसी)।

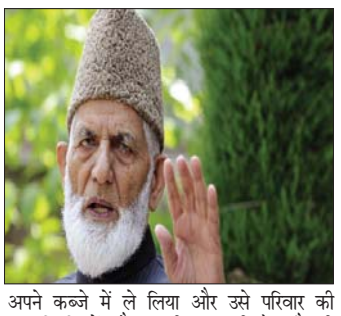

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के मीरवाइज उमर फारूक नीत धड़े ने कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी की पिछले हफ्ते मौत होने पर उनका शव पाकिस्तानी झंडे में लपेटने पर प्राथमिकी दर्ज किये जाने की सोमवार को निंदा की। गिलानी की मौत के बाद कथित राष्ट्र विरोधी नारे लगाने और उनका शव पाकिस्तान के झंडे में लपेटने के मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता तथा गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून के विभिन्न प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

अधिकारियों ने पहले बताया था कि जब पुलिस शव को कब्जे में लेने के लिए गई, तब गिलानी के सहयोगियों ने झंडा हटा दिया था। लंबी बीमारी के बाद गिलानी की बुधवार रात यहां उनके आवास पर मौत हो गई थी। उनके शव को पास की एक मस्जिद के कब्रिस्तान में दफनाया गया। हुर्रियत की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया कि वह गिलानी के परिवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की निंदा करता है।

इसमें कहा गया, ''गिलानी के बेटे ने मीडिया को बताया कि अधिकारियों ने 92 वर्षीय नेता का शव अपने कब्जे में ले लिया और उसे परिवार की अनुपस्थिति में और उनकी जानकारी के बगैर ही दफना दिया। यह सुनकर बहुत ही दुख हुआ।यह अमानवीय है कि परिवार को अपने प्रियजन को दफनाने का अधिकार तक नहीं दिया जाए। परिवार पर क्या बीती होगी इसकी कल्पना की जा सकती है। इस कठोरता के बाद अब अधिकारी प्राथमिकी दर्ज करके, गिरफ्तार करने की धमकियां देकर परिवार को प्रताड़ित कर रहे हैं।'' हुर्रियत ने कहा कि ''अन्याय और दुख की इस घड़ी में कश्मीर के लोग गिलानी के परिवार के साथ खड़े हैं।

किसान महापंचायत भाकियू के लिए ऐतिहासिक तो बीजेपी ने बताया फ्लॉप शो

लखनऊ। (एजेंसी)।

नया कषि कानून वापस लेने की मांग को लेकर नौ महीने से आंदोलन चला रहे भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत की दबाव की नीति मोदी सरकार के सामने टिक नहीं पा रही है।बल्कि भाकियू नेता, मोदी सरकार के बिछाए जाल में फंसती जा रही है। किसानों की बात करते-करते राकेश अब राजनीति की बाते करने लगे हैं। बीजेपी भी यही चाहती थी कि टिकैत की छवि किसान नेता से निकालकर सियासी सांचे में फिट कर दी जाए,ताकि उनसे किसान दूर हो जाए। मुजफ्फरनगर में राकेश टिकैत की पंचायत में भी यही हुआ। टिकैत किसानों की बात करने की बजाए मोदी-अमित शाह और योगी आदित्यनाथ में उलझ कर इन नेताओं को बाहरी बताने में फंसे रहे। हास्यास्पद बात यह थी कि राकेश टिकैत अपनी महापंचायत में बीजेपी नेताओं को तो बाहरी बता रहे थे,लेकिन उनके मंच पर भी बाहरी किसानों से अधिक मोदी विरोधी नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ था। इसमें योगेन्द्र यादव से लेकर मेघा पाटेकर जैसे कई नाम थे,जिनकी सियासत ही मोदी विरोध से चलती है।

मुजफ्फरनगर के जीआईसी ग्राउंड में संयुक्त किसान मोर्चा की किसान महापंचायत से किसानों के बीच क्या संदेश गया कोई नहीं जानता। यह और बात है कि राकेश टिकैत बड़े-बड़े दावे करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इसी क्रम में राकेश टिकैत और बीजेपी के बीच शब्दों के बाण भी चल रहे हैं। इसी लिए जब राकेश टिकैत ने 20 लाख की भीड़ जुटने का दावा करते हुए ट्वीट कर खुशी जाहिर की और कहा कि मुजफ्फरनगर किसान महापंचायत का यह था हाल कि मुजफ्फरनगर को जाने वाले हाइवे, फ्लाईओवर पर भारी जाम लगा रहा। इसके चलते लोगों को कई घंटे जाम में बिताने पड़े। किसानों के सैलाब में उनके वाहनों के दबाव के चलते शहर में लागू की गई यातायात व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई और जहां से राह मिली, किसानों के वाहन उसी ओर दौड़ते चले गए।

भीड़ से गदगद राकेश टिकैत ने ट्विट किया,'जम्मू- कश्मीर से लेकर केरल तक के 20 लाख किसानों ने मुजफ्फरनगर पहुंच कर तानाशाह सरकार को एक बार फिर सर्टिफिकेट दे दिया जिन्हें वह मुठ्ठी भर किसान कहती है वह पूरे देश के किसान हैं।' उन्होंने इस ट्वीट के साथ चार तस्वीरें ट्वीट कीं जिसमें वह मंच पर नजर आ रहे हैं। इस पर बीजेपी प्रवक्ता ने तंज कास और कहा कि 20 हजार जुटा न पाए और 20 लाख का दावा कर रहे हैं। इतनी ही नहीं उन्होंने राकेश टिकैत को खलीफा के ताऊ भी बताया।

बीजेपी प्रवक्ता का कहना है कि महापंचायत में यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना और दूसरे राज्यों के जो लोग शामिल हुए थे,उसमें ज्यादातर खाप भी साथ थे। बताया गया कि 300 किसान संगठनों के प्रतिनिधि जुटे। भीड़ इतनी कि मैदान छोटा पड़ गया। सड़कों पर हर तरफ किसानों का रेला नजर आया। प्रशासन ने अफवाहों को रोकने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया। हालांकि राकेश टिकैत ने भीड़ की एक भी तस्वीर ट्वीट नहीं की, इसे लेकर वह घिर गए। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने राकेश टिकैत के ट्वीट को रीट्वीट करके लिखा,'20 हजार जुटा ना पाए, 20 लाख का

दावा कर रहे हैं, चार फोटो ट्वीट की है और चारों में खुद का ही थोबड़ा दिखा रहे हो खलीफा के ताऊ। सुना है मियां खलीफा के आने की अफवाह भी उड़वाई थी, जिसकी वजह से थोड़ी बहुत भीड़ आई थी, लेकिन भीड़ बहुत निराश होकर गई।'

सार समाचार

अमेरिका में तूफान इडा का कहर, भारतीय मूल के दो व्यक्तियों की तलाश में जुटी टीम

न्यूयॉर्क। न्यू जर्सी में प्राधिकारी तूफान इडा के कारण आयी भीषण बाढ़ में लापता भारतीय मूल के दो व्यक्तियों की तलाश ड्रोन और नौकाओं की मदद से कर रहे हैं। इस तूफान में अमेरिका में 40 से अधिक लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तूफान इडा 29 अगस्त को पोर्ट फोरचॉन, लुइसियाना से टकराया था। यह तूफान 2005 में आये तूफान कैटरीना के बाद दक्षिणपूर्वी प्रांत में आने वाला दूसरा सबसे विनाशकारी तूफान है। नॉर्थजर्सी डॉट कॉम की एक खबर में कहा गया है कि निधि राणा (18) और आयुष राणा (21) को ''बुधवार शाम को आखिरी बार देखा गया था जब आयुष की कार बाढ़ के पानी में फंस गई थी।'' दोनों की तलाश रविवार को जारी रही और पैसैक दमकलकर्मियों ने पैसैक नदी में दोनों की खोज जारी रखी। खबर में पैसैक दमकल विभाग के प्रमुख पैट ट्रेंटाकोस्ट के हवाले से कहा गया है, ''हम अभी पानी में दो नावों और प्रांतीय पुलिस से संचालित तीन ड्रोन के साथ काम कर रहे हैं।''

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में चार लोगों की मौत, 20 घायल

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के एक आतंकवादी के आत्मघाती हमले में सुरक्षा बल के कम से कम चार जवानों की मौत हो गई और 20 अन्य जख्मी हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। क्वेटा पुलिस के उप महानिरीक्षक अजहर अकरम ने कहा कि हमलावर ने क्वेटा में मस्तुंग मार्ग पर फंटियर कोर की चौकी को निशाना बनाया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि आत्मघाती हमलावर विस्फोटक से लदी बाइक पर सवार था और उसने अपनी बाइक को फंटियर कोर के जवानों को ले जा रही गाड़ी में भिड़ा दिया।

तालिबान के अधिग्रहण पर पाकिस्तानी खुश, सरकार सतर्क

इस्लामाबाद। अमेरिका समर्थित नाटो बलों की वापसी और तालिबान के हाथों में अफगानिस्तान का नियंत्रण आने के बाद विभिन्न वैश्विक शक्तियों और दिग्गजों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं, क्योंकि वे तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार की स्थापना को मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह सीमित या कोई अन्य विकल्प के साथ आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका प्रतीत होता है। काबुल के पतन और अफगान तालिबान द्वारा अधिग्रहण पर एक तरफ अन्य देशों से बेचैनी की प्रतिक्रिया देखी गई है, जो अभी भी अशरफ गनी सरकार और अफगान बलों के चौंकाने वाले पतन को समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने सचमुच बहुत जल्दी तालिबान के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और उनके हाथों में अफगानिस्तान का नियंत्रण सौंप दिया। इसके बाद से भ्रमित और अनिश्चित चिंतन हर कहीं जारी है, मगर अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रम को लेकर ऐसा लगता है कि यह पाकिस्तान में एक स्वागत योग्य समाचार के रूप में आया है। कई पाकिस्तानी काबुल के पतन का जश्न मना रहे हैं और इस पर उनका कहना है कि पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए कथित भारतीय प्रयासों की हार हुई है, इसलिए वह खुश हैं। ऐसा ही आख्यान पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार के कई मंत्रियों द्वारा साझा और प्रतिध्वनित होता प्रतीत होता है, जो काबुल के पतन को भारतीय प्रभाव की हार और इसके खुफिया स्तर के निवेश से जोड़ते हैं।

तालिबान के टेकओवर के बाद पाक-अफगान तोरखम सीमा पर तेज हुआ व्यापार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान तोरखम सीमा, दोनों देशों के बीच मुख्य व्यापार मार्ग, जो अन्य देशों के लिए पारगमन व्यापार मार्ग के रूप में भी काम करता है, तालिबान के नियंत्रण में आने के बाद से व्यापारिक गतिविधियों में एक बड़ा उछाल देखा गया है। सीमा पर व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है और अब सैकड़ों ट्रक व्यापारिक उद्देश्यों के लिए दैनिक आधार पर सीमा पार कर रहे हैं। इस संबंध में एक ट्रक चालक गुल आगा से बातचीत की गई, जिनकी दैनिक दिनचर्या में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में टमाटर, सब्जियां, फल और अन्य आपूर्ति ले जाना है। उन्होंने कहा, तालिबान के सीमा पर नियंत्रण करने से पहले, हमारे पास कई मुद्दे थे। हमें बॉर्डर पार करने के लिए क्लीयरेंस प्राप्त करने के लिए आपूर्ति के भरे हुए ट्रकों के साथ घंटों इंतजार करना पड़ता था। हमें सीमा पार करने के लिए अफगान सुरक्षा बलों को रिश्वत के रूप में 16,000 रुपये देने पड़ते थे और फिर तोरखम से मजार-ए-शरीफ तक हर चेक पोस्ट पर और भी रिश्वत देनी पड़ती थी। गुल ने कहा, लेकिन अब वहां तालिबान हैं और हमें मंजूरी के लिए कई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं है और न ही हमें कोई पैसा देना है। वे हमें सीमा पर एक कागज का टुकड़ा देते हैं और यह अफगानिस्तान में मजार-ए-शरीफ तक स्वतंत्र रूप से घूमने की हमारी कानूनी अनुमति है। एक अन्य व्यापारी ने कहा कि जब से तालिबान ने सीमाओं पर नियंत्रण किया है, तब से व्यापार दोगुना हो गया है।

लीबिया ने दिवंगत नेता गद्दाफी के बेटे को रिहा किया

त्रिपोली। लीबिया के अधिकारियों ने देश के दिवंगत नेता मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सादी गद्दाफी को रिहा कर दिया है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि सादी पर 2005 में एक फुटबॉल खिलाड़ी और लीबिया की राष्ट्रीय टीम के कोच की हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में मुकदमा चल रहा था। उस अब रिहा कर दिया गया है। उन्हें अप्रैल 2018 में इस मामले में बरी कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 27 वर्षीय सादी अपनी रिहाई के तुरंत बाद तुर्की के लिए रवाना हो गए, और अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ मिस्र जाने की योजना बना रहे है। लीबिया में 2011 के विद्रोह के दौरान, सादी नाइजर भाग गया था, लेकिन उसने तीन साल बाद प्रत्यर्पित किया गया और तब से त्रिपोली में कैद था। लीबिया के अधिकारियों के अनुसार, नाइजर ने पहले उसे मानवीय कारणों के लिए शरण दी, लेकिन 2014 में सादी को लीबिया को सौंप दिया।

पंजशीर में तालिबान के कब्जे पर भड़का ईरान, पाकिस्तान को भी दी कड़ी चेतावनी

तेहरान। (एजेंसी)।

पंजशीर में खूनी संघर्ष को लेकर तालिबानी आतंकी बुरी तरह से घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, तालिबान की ओर से यह दावा किया गया है कि उसने पंजशीर पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। हालांकि जब से अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हुआ है पंजशीर में लगातार खूनी संघर्ष जारी है। इसी को लेकर अब अफगानिस्तान का पड़ोसी देश ईरान ने तालिबान को सख्त चेतावनी दे दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने तालिबान को चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कहा कि अब लक्ष्मण रेखा को पार न करें। इतना ही नहीं, ईरान ने कहा है कि वह पंजशीर को लेकर पाकिस्तान के हस्तक्षेप की भी लगातार जांच करने की कोशिश कर रहा है। ईरान ने साफ तौर पर कह दिया है कि पंजशीर के कमांडरों की शहादत बहुत ही निराशाजनक है और ईरान इन हमलों की कड़ी शब्दों में निंदा करता है। ईरान ने यह भी कहा कि बातचीत से ही अफगानिस्तान की समस्या का हल निकाला जा सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सैयद खतीब जाहेद ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सभी लक्ष्मण रेखा को पार ना करें और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जिम्मेदारियों को आवश्यक रूप से माना जाना चाहिए। ईरान ने साफ तौर पर कहा कि अफगानिस्तान में घटने वाली तमाम घटनाक्रम पर उसकी पैनी नजर है। आपको बता दें कि ईरान ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब पाकिस्तान पर पंजशीर में तालिबान को जीत दिलाने में हवाई मदद के आरोप लग रहे हैं।

तालिबान ने पंजशीर पर नियंत्रण का किया दावा

तालिबान ने अपने विरोधियों के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान के आखिरी प्रांत पंजशीर को नियंत्रण में लेने का दावा किया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक बयान जारी कर कहा कि पंजशीर अब तालिबान लड़ाकों के नियंत्रण में है। इलाके में मौजूद चश्मदीदों ने नाम उजागर ना करने की शर्त पर बताया कि हजारों तालिबान लड़ाकों ने रातों-रात पंजशीर के आठ जिलों पर कब्जा कर लिया। तालिबान विरोधी लड़ाकों का नेतृत्व पूर्व उपराष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह एवं तालिबान विरोधी अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने किया था। अहमद शाह मसूद अमेरिका में 9/11 के हमलों से कुछ दिन पहले मारे गए थे।

सांसदों के लिए जारी किया गया ड्रेस कोड, अब जींस, टीशर्ट पहनकर नहीं आ सकेंगे एमपी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के सांसदों के लिए एक ड्रेस कोड लागू किया गया है जिसके तहत अब सभी सांसदो को जींस, स्पोर्ट्स वियर, टीशर्ट या स्लीवलेस टॉप जैसे कपड़े पहनकर आना सख्त मना है। इसके अलावा सांसदो को ताली बजाने में भी रोक लगा दी गई है। जानकारी के लिए बता दें कि, ब्रिटेन में गर्मी की छुट्टियां होने वाली है जिसके बाद सोमवार से सदन की कार्यवाही शुरू हो रही है। इसी को देखते हुए संसद में सांसदो के लिए एक नया ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। संसद की स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में व्यवहार और शिष्टाचार के नियम को बनाए रखने के लिए सांसदो के लिए यह नियम अपडेट किए हैं।

बताया जा रहा है कि, कोविड-19 लॉकडाउन के कारण सांसदो को यह ढील दी गई थी लेकिन अब सांसदों को ड्रेस कोड के साथ ही सदन में ताली बजाने की इजाजत नहीं दी गई है। बता दें कि, सांसदो से प्रोफेशनल ऑउटफिट पहनने को भी कहा गया है। साथ ही जीन्स, चिनोस और स्पोर्ट्सवियर नहीं पहनने की सलाह दी है। स्पीकर के मुताबिक, टी-शर्ट और स्लीवलेस टॉप एक व्यावसायिक पोशक में नहीं आता है। वहीं, सांसदो को कैजुअल शूज के अलावा जूते पहनने के साथ ही टाई और जैकेट पहनने की सलाह दी है। ससंद का समय बर्बाद न हो इसके लिए सांसद को ताली बजाने से रोक लगा दी है। इसके अलावा संसद में गीत-भजन कीर्तन करने की भी अनुमति नहीं दी गई है।

तालिबान ने 6 देशों को दिया सरकार गठन समारोह का निमंत्रण, पाकिस्तान को मिल रहा ज्यादा महत्व

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर पूरी तरह से तालिबान ने कब्जा करने के बाद सरकार गठन की तैयारियां शुरू कर दी थीं। लेकिन पंजशीर प्रांत की वजह से लगातार देरी हो रही है। कहा जा रहा है कि तालिबान के लिए पहले पंजशीर जीतना जरूरी है क्योंकि ठंड में घाटी को जीतना तालिबान के लिए लगभग नामुमकिन हो जाएगा। इसी बीच तालिबान के प्रवक्ता ने जबीउल्लाह मुजाहिद ने आखिरी किले को भी जीतने का दावा कर दिया है।

कब होगा सरकार का गठन ?

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति भवन में सरकार गठन की तैयारियां लगातार चल रही हैं। नए झंडे तैयार किए जा रहे हैं। शनिवार को पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल भी काबुल पहुंचा था। इसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद भी मौजूद थे। जिन्होंने %काबुल के कसाई% से मुलाकात की। दरअसल, अफगान प्रधानमंत्री गुलबुद्दीन हिकमतयार काबुल के कसाई के नाम से बदनाम हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कतर स्थित तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के अध्यक्ष मुल्ला अब्दुल गनी बरादर तालिबानी सरकार के प्रमुख हो सकते हैं। हालांकि सरकार गठन के ऐलान के वक्त ही इससे पर्दा उठेगा। पंजशीर पर कब्जा करने का दावा करने वाले कट्टरपंथी इस्लामी संगठन द्वारा अब जल्द ही सरकार के गठन का ऐलान किया जा सकता है।

तालिबान ने किसे दिया निमंत्रण?

तालिबान ने सरकार गठन समारोह का निमंत्रण पाकिस्तान, कतर, तुर्की, चीन, ईरान और रूस को दिया है। जिसके बाद अब एक-दो दिन के भीतर ही गठन की संभावना जताई जा रही है। आपको बता दें कि पंजशीर में हमला करने के लिए तालिबान को पाकिस्तान समेत कई आतंकवादी संगठनों का समर्थन प्राप्त था। कई अफगान रिपोर्टों में पाकिस्तानी सैनिकों के शामिल होने की आशंका भी जताई जा रही है। इसके साथ ही हवाई हमले की भी बात कही गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजशीर घाटी पर पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। हाल ही में पाकिस्तानी वायु सेना का फाइटर जेट भी देखा गया है। वहीं आईएसआई चीफ भी सरकार गठन में तालिबान की मदद कर रहे हैं।

पूर्व तानाशाह शासक रहे कर्नल मुअम्मर अल गद्दाफी का बेटे अल-सादी गद्दाफी रिहा

काहिरा। (एजेंसी)।

लीबिया के अधिकारियों ने रविवार को पूर्व तानाशाह कर्नल मुअम्मर अल गद्दाफी के बेटे अल-सादी गद्दाफी को रिहा कर दिया। वह पड़ोसी देश नाइजर से प्रत्यर्पण के बाद त्रिपोली की एक जेल में सात साल से अधिक समय से कैद थे। मनोनीत प्रधानमंत्री अब्दुल हमीद दबीबेह ने सोमवार तड़के ट्वीट किया कि अदालत के आदेश पर अमल करते हुए अल-सादी गद्दाफी को रिहा कर दिया गया है। सरकारी प्रवक्ता मोहम्मद हमाउदा ने बताया कि अल-सदी को त्रिपोली

की अल-हदबा जेल से रिहा किया गया।

स्थानीय समाचार वेबसाइट 'अल-मर्सद' की खबर के अनुसार, अल-सादी गद्दाफी उनके खिलाफ लगे आरोपों से बरी किए जाने के बाद रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद वह तुर्की रवाना हो गए। गौरतलब है कि 2011 के विद्रोह के समय, अल-सादी गद्दाफी ने एक विशेष बल ब्रिगेड का नेतृत्व किया था, जिसने प्रदर्शनकारियों तथा विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई की। 2011 में रेगिस्तान के रास्ते वह नाइजर चले गए थे, जब उनके पिता का शासन चरमरा रहा था। 2014 में उन्हें और उनके साथियों को नाइजर ने प्रत्यर्पित किया था। देश वापसी के बाद, उन्हें 2011 के विद्रोह के दौरान अपहरण तथा बलात्कार, अपने पद के दुरुपयोग और अल-रियानी की हत्या के आरोपों का सामना करना पड़ा था। पूर्व तानाशाह गद्दाफी के आठ बच्चे हैं।

अमेरिकी अध्ययन के मुताबिक फाइजर की खुराक लेने के छह महीने में एंटीबॉडी कम हुए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

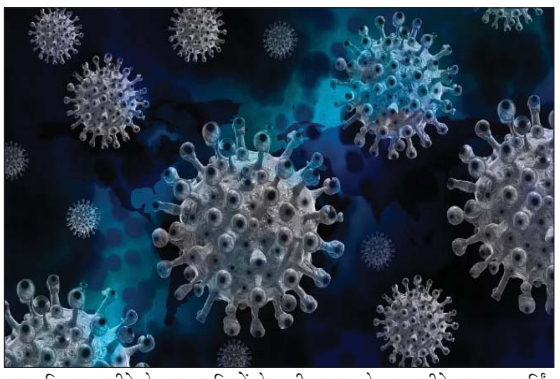

फाइजर टीके द्वारा बनी कोविड-19 एंटीबॉडी नर्सिंग होम के वरिष्ठ निवासियों और उनकी देखभाल करने वालों में दूसरी खुराक प्राप्त करने के छह महीने बाद 80 प्रतिशत से अधिक कम हो गई। यह बात अमेरिकी अध्ययन में सामने आयी है। अमेरिका में केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी और ब्राउन यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में नर्सिंग होम के 120 निवासियों और 92 स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया गया।

अध्ययनकर्ताओं ने विशेष रूप से ह्यूमोरलर इम्युनिटी को देखा जिसे एंटीबॉडी-मध्यस्थता प्रतिरक्षा भी कहा जाता है ताकि सार्स-सीओवी-2 वायरस के खिलाफ शरीर की सुरक्षा को मापा जा सके जिससे कोविड-19 होता है। अध्ययन अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसे प्रीप्रिंट सर्वर 'मेडआर्काइव' पर पोस्ट किया गया है। अध्ययन के अनुसार इससे पता चला कि छह महीने के बाद व्यक्तियों के एंटीबॉडी का स्तर 80 प्रतिशत से अधिक कम हो गया। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, 76 वर्ष की औसत आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों और 48 वर्ष की औसत आयु वाले देखभाल करने वालों में परिणाम समान थे।

केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेविड कैनेडे ने कहा कि टीकाकरण के छह महीने बाद, इन नर्सिंग होम के 70 प्रतिशत निवासियों के रक्त में ''प्रयोगशाला प्रयोगों में कोरोना वायरस संक्रमण को बेअसर करने की क्षमता बहुत कम थी।'' कैनेडे ने कहा कि परिणाम रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बूस्टर खुराक लेने की सिफारिश का समर्थन करते हैं, विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए।

पाकिस्तान के फिदायिनों के दम पर तालिबान ने जीती जंग, पीएएफ का भी मिला था सहारा

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर अब पूरी तरह से तालिबान का कब्जा है। इसी बीच एक बड़ा खुलासा हुआ है। बता दें कि पाकिस्तान की लाल मस्जिद के 1,000 फिदायिनों ने तालिबान के लिए जंग लड़ी है। इस बात का खुलासा तो बहुत पहले ही हो गया था कि पाकिस्तान सरेआम तालिबान का मदद कर रहा है। वहीं पंजशीर में पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमान आसमान में देखे गए हैं।

1000 फिदायिनों ने लिखी स्क्रिप्ट

इसी बीच पाकिस्तान के इस्लामाबाद में स्थित लाल मस्जिद के एक मौलाना अब्दुल अजीज ने चौंका देने वाले दावे किए हैं। मौलाना ने बताया कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत के पीछे लाल मस्जिद के 1,000 फिदायिन हैं। आपको बता दें कि लाल मस्जिद के साथ अलकायदा, आईएसआईएस जैसे कई सारे आतंकी संगठनों के साथ रिश्ते रहे हैं।

हिन्दी समाचार चैनल 'टीवी9 भारतवर्ष' के मुताबिक मौलाना ने कहा कि दुनिया में हजारों-लाखों फिदायिन हैं, जो कभी भी किसी भी मुल्क को दहला सकते हैं। मौलाना ने कहा कि अफगानिस्तान में पसरे हुए मातम के पीछे लाल मस्जिद के फिदायिनों का हाथ हैं। मौलाना के मुताबिक लाल मस्जिद के

1000 फिदायिन अफगानिस्तान पहुंचे, जिन्होंने पूरा नक्शा ही बदलकर रख दिया।

कई मौकों पर सारी दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का गढ़ रहा है और भारत ने भी यह साबित किया है।

अलकायदा के आंतकी भी शामिल

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पंजशीर में जारी खूनी संग्राम में तालिबान के साथ अलकायदा और पाकिस्तान सेना के जवान भी शामिल हैं। इसके अलावा पंजशीर घाटी में पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमान भी देखे गए हैं।

पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी में सेना का तख्तापलट, राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को हिरासत में लिया

कोनाक्री (गिनी)। (एजेंसी)।

पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी में बागी सैनिकों ने रविवार को राष्ट्रपति भवन के पास भारी गोलीबारी के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को हिरासत में ले लिया और फिर सरकारी टेलीविजन पर सरकार को भंग करने की घोषणा की। सेना के कर्नल ममादी डोंबोया ने सरकारी टेलीविजन के जरिए घोषणा की कि देश की सीमाओं को बंद कर दिया गया है और इसके संविधान को अवैध घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''देश को बचाना सैनिक का कर्तव्य है। हम अब राजनीति एक आदमी को नहीं सौंपेंगे, हम इसे लोगों को सौंपेंगे।'' अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सेना के भीतर डोंबोया को कितना समर्थन हासिल है या फिर बीते एक दशक से भी अधिक समय से राष्ट्रपति के वफादार रहे अन्य सैनिक नियंत्रण अपने हाथों में लेने का प्रयास करेंगे या नहीं।

गिनी की सेना 'जुंटा' ने सोमवार को एक कार्यक्रम में घोषणा की कि गिनी के सभी गवर्नर की जगह स्थानीय कमांडर लेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी तरह का इनकार देश के नए सैन्य नेताओं के खिलाफ विद्रोह माना जाएगा। पश्चिम अफ्रीका के क्षेत्रीय गुट 'ईसीओडब्ल्यूएएस' ने घटनाक्रम की निंदा की और कहा कि कोंडे को तुरंत नहीं छोड़ा गया तो देश पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ट्वीट किया कि वह बंदूक के बल पर सरकार को अपदस्थ कर सत्ता हासिल करने की कड़ी निंदा करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी कि हिंसा को अंजाम न दिया जाए और गिनी के अधिकारियों से कहा कि संविधान से इतर उनकी गतिविधियों से गिनी के लिए शांति, स्थिरता एवं समृद्धि की संभावनाएं खत्म होंगी। मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक वक्तव्य में कहा कि जुंटा की हरकतों से अमेरिका और गिनी के अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की उसे समर्थन देने की क्षमता सीमित हो जाएगी। भीषण लड़ाई के बाद रविवार को कई घंटों तक 83 वर्षीय कोंडे का कुछ पता नहीं चला। फिर एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह सेना की हिरासत में दिख रहे हैं।

बाद में जुंटा ने एक बयान जारी करके कहा कि कोंडे अपने चिकित्सकों से संपर्क में हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें कब छोड़ा जाएगा। बीते एक दशक से भी अधिक समय से सत्ता में काबिज कोंडे के तीसरे कार्यकाल की पिछले कुछ समय से काफी आलोचना हो रही थी। वहीं, कोंडे का कहना था कि उनके मामले में संवैधानिक अवधि की सीमाएं लागू नहीं होतीं। रविवार के घटनाक्रम से पता चलता है कि सेना के भीतर भी किस हद तक असंतोष पनप गया था। सेना की विशेष बल इकाई के कमांडर डोंबोया ने अन्य सैनिकों से ''स्वयं को जनता के पक्ष में रखने'' का आह्वान किया।देश को 1958 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद आर्थिक प्रगति के अभाव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, ''हमें जागना होगा।'' कोंडे वर्ष 2010 में सबसे पहले राष्ट्रपति चुने गए थे जो 1958 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद देश में पहला

लोकतांत्रिक चुनाव था। कई लोगों ने उनके राष्ट्रपति बनने को देश के लिए एक नयी शुरुआत के तौर पर देखा था, लेकिन बाद में उनके शासन पर भ्रष्टाचार, निरंकुशता के आरोप लगे।

संपादकीय

अंतरिक्ष में स्नान

वैज्ञानिक अब अंतरिक्ष केंद्र में महीनों तक रहने लगे हैं, तो जाहिर है, कभी उन्हें नहाने का भी मन करेगा, लेकिन क्या वे नहा सकते हैं? इस प्रश्न का जवाब शायद 'हां' में है। नासा की अंतरिक्ष वैज्ञानिक मेगन मैकआर्थर ने बहुत शौक से अपने बालों को शैंपू करके दुनिया को बताया ही नहीं, बल्कि वीडियो बनाकर दिखा दिया है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पृथ्वी की कक्षा में घूमता हुआ एक आधुनिक घर जैसा है, जहां गुरुत्वाकर्षण की स्थिति ऐसी है कि लगभग हर चीज लटकाई जा सकती है। अंतरिक्ष यान जहां खुद लटका हुआ घूम रहा है, वहीं उसके अंदर की तमाम चीजें भी लगभग हवा में हैं। यहां तक कि पानी भी यहां हवा में अटक जाता है। तो अंतरिक्ष में नहाने या शैंपू करने के लिए सबसे पहले पानी को घेरकर बचाना जरूरी है। पानी को ऐसे बचाना है, मानो अगर वह खत्म हो गया, तो जीवन संकट में आ जाएगा। अंतरिक्ष में अभी जो स्थिति है, उसमें वैज्ञानिक जो जल खर्च या उत्सर्जित करते हैं, उसे बचाते भी हैं। गंदे हुए पानी को भी साफ करके पीने लायक बनाते रहते हैं, ताकि उनके हिस्से के 70 लीटर पानी का थोड़ा हिस्सा भी बर्बाद न जाए। जहां बूंद-बूंद की चिंता है, वहां भी नहाना मुमकिन है। रही बात अंतरिक्ष यात्री मेगन मैकआर्थर के बालों की सफाई की, तो उन्होंने ऐसा नहीं है कि पहले कुछ मग पानी से बालों को भिगोया, फिर शैंपू लगाया और उसके बाद फिर कुछ मग पानी से बालों से झाग को हटाया। मेगन ने सबसे पहले दो या तीन तरफ से कागज या कपड़े की आड़ तैयार की और उसके बाद एक तौलिए में पानी लिया, मतलब तौलिए को भिगोया और अपने बालों को गीला किया। फिर कुछ बूंद शैंपू बालों में ठीक से लगाया और उसके बाद तौलिए के सूखे हिस्से से बालों को पोछ लिया। फिर भी कुछ बूंदें इधर-उधर चली गईं, जिनको उन्होंने तौलिए में समेट लिया, ताकि उससे पानी निचोड़कर उसे फिर से पीने लायक बनाया जा सके। दिमागी एकाग्रता के लिए बालों को अगर साफ रखना महत्वपूर्ण है, तो अंतरिक्ष में अपने हिस्से के पानी को बचाना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। न्यूनतम गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रैविटी में अपने बालों को साफ करके दुनिया को दिखाने वाली वह पहली महिला बन गई हैं। यह बहुत रोचक वाकया है, जिससे दूसरे अंतरिक्ष यात्रियों को भी थोड़ी राहत या खुशी का एहसास होगा।

धरती पर रहने वालों या पानी बर्बाद करने वालों को अंतरिक्ष की स्थितियों से सीखना चाहिए। बहुत कम पानी में भी जीवन संभव है। क्या धरती पर भी हर आदमी अपने हिस्से के पानी को बचा या पुनर्शोधित कर सकता है? कम से कम जिन इलाकों में पानी बहुत कम है, वहां ऐसी ही व्यवस्था एक सामयिक विचार तो है ही। दूसरी बात, अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा किए जाने वाले ऐसे प्रयोग दरअसल उन्हें लंबे अभियानों के लिए तैयार करने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। जब आप चंद्रमा या मंगल पर जाएंगे, तब ऐसे ही जाना पड़ेगा। बूंद-बूंद संजोते हुए। 50 वर्षीया अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री मेगन मैकआर्थर बीते अप्रैल महीने में दूसरी बार अंतरिक्ष में गई हैं। चार महीने से भी ज्यादा समय से वह अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं, संभव है, उन्होंने पहले भी बालों को शैंपू किया हो, लेकिन इस बार उन्होंने जो शैंपू किया है, उससे अंतरिक्ष विज्ञान और विज्ञान के विद्यार्थियों को बड़ा बल मिलेगा।

फिर जबरन नसबंदी!

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में मात्र सात घंटे में 101 महिलाओं की कथित नसबंदी की खबर ने एकाएक सबको चौंका दिया है। इसलिए कि नसबंदी शिविर के तहत एक दिन में एक चिकित्सक द्वारा ज्यादा-से-ज्यादा तीस ऑपरेशन ही किए जा सकते हैं। इस मानक का उल्लंघन मतलब ऑपरेशन कराने वाली महिलाओं की जान के लिए खतरा पैदा कर देना। शासन ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच इस बात की होगी कि क्या स्वास्थ्य केंद्र पर नियमों और मानकों संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हुआ है। घटना सरगुजा जिले में मैनपाट के नर्मदापुर गांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की है। इस संबंध में नसबंदी करने वाले चिकित्सक और खंड़ विकास अधिकारी को नोटिस जारी किए गए हैं। उनसे घटना के संबंध में कैफियत मांगी गई है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नवम्बर, 2014 में लगाए गए एक नसबंदी शिविर में एक ही दिन में 83 महिलाओं की नसबंदी कर दी गई थी। छत्तीसगढ़ की इस घटना ने आपातकाल की याद दिला दी है। आपातकाल के दिनों में अधिकारियों को नसबंदी ऑपरेशन कराने लिए लक्ष्य दे दिए गए थे। अधिकारियों ने लक्ष्य पूर्ति के लिए किशोर वय के युवाओं यहां तक कि अविवाहित युवकों तक के ऑपरेशन करवा ड़ाले थे। आपातकाल हटने के काफी बाद तक जबरिया नसबंदी की खबरें अखबारों में आती रहीं। लोगों में परिवार नियोजन को कार्यक्रम को लेकर ड़र बैठ गया। इससे यह कार्यक्रम अपने लक्ष्य से उत्तरोत्तर पिछड़ता चला गया। बाद में लक्ष्य तय करने जैसी बात तो नहीं रही, लेकिन नसबंदी कराने वालों के लिए प्रोत्साहन राशि जैसी बातें जारी रहीं। नसबंदी कार्यक्रम चलता रहा और लोगों को यकीन हो चला कि नसबंदी के नाम पर जोर-जबरदस्ती जैसी बातें अब नहीं होतीं, लेकिन छत्तीसगढ़ में नसबंदी संबंधी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की इस घटना से कहना पड़ेगा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम में सहज जैसा कुछ नहीं है। अभी भी लक्ष्य को बींधते अधिकारी फिराक में रहते हैं कि किस तरह ज्यादा-से-ज्यादा नसबंदी ऑपरेशन करवा लिये जाएं। छत्तीसगढ़ की घटना से भी शंका होती है कि कहीं नसबंदी जबरन तो नहीं कराई जा रहीं।

परिधि/ राजीव मंड़ल

सवाल नहीं, सोच भी बेहूदा

किसी खिलाड़ी से कैसे सवाल पूछने चाहिए, यह सामान्य शिष्टाचार भी कइयों को पता नहीं होती है। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश लौटने पर नीरज चोपड़ा पर खेल से इतर सवाल दागे गए। ऐसे सवाल जिनकी जरूरत बिल्कुल भी नहीं थी। नीरज के साथ ऐसा एक बार नहीं कई बार हुआ। जाहिर तौर पर बेहद व्यक्तिगत सवाल से कोई भी असहज और शर्मिंदा होगा, सो ओलंपिक चैंपियन भी फिजूल के सवालों पर कई बार परेशान दिखे। कई मौकों पर तो पत्रकारों ने उनसे नितांत व्यक्तिगत सवाल-जवाब किए।

हास्यास्पद स्थिति तो यह है कि खेल से संबंधित सवाल पूछने की बजाय नीरज से उनकी गर्लफ्रेंड़, शादी, सेक्स लाइफ आदि पर दिलचस्पी दिखाई गई। ठीक है कि नीरज युवा हैं और उनकी पर्सनाल्टी की चर्चा है, वह नेशनल क्रश बन गए हैं, उनकी अच्छी-खासी फैन फालोइंग है, जिनमें महिलाओं की संख्या काफी ज्यादा है। फिर भी साक्षात्कार लेने वालों से यह अपेक्षा रहती है कि वो खिलाड़ी से खेल के बारे में ही पूछताछ करे, उनकी दिनचर्या प्रैक्टिस खेल की सुविधा, ट्रेनिंग कंड़ीशन, खान-पान, अनुशासन आदि की जानकारी ले, जिसका फायदा खेल की दुनिया के बाकी युवाओं को मिले और वो लोग भी अपने जीवन में नीरज की दिनचर्या का अनुसरण करें। यह कहीं से भी न्यायसंगत और समझदारी नहीं है कि खिलाड़ियों से कोई बेकार के सवाल पूछे। ऐसा लगता है कि अगर खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड़ नहीं होगी तो उसका जीवन ही बेकार है। स्वाभाविक रूप से ऐसे कार्यक्रमों से खिलाड़ियों को दूर ही रहने की जरूरत है। सबसे पहले एक लाइव वीड़ियो इंटरव्यू में रेड़ियो जॉकी मलिस्का मेंड़ोसा ने नीरज को हग करने (गले मिलने/जादू की झप्पी) की बात पर शर्मिंदा किया, इसके बाद एक कार्यक्रम में फिर से उनसे गर्लफ्रेंड़ के बारे में सवाल दागे गए। क्या किसी चैंपियन खिलाड़ी से ऐसे प्रश्न पूछने चाहिए? क्या ऐसे कार्यक्रमों में यह तय करने का वक्त आ गया है कि खिलाड़ियों से इस तरह के सवाल पूछने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। कोई खेल की दुनिया से बाहर का आदमी किसी खिलाड़ी से उसके सेक्स की आदतों के बारे में बेहूदा सवाल करे? वो भी मना करने के बावजूद तो लाजिमी है कि तकलीफ न केवल उस खिलाड़ी को होगी वरन हर उस संवेदनशील व्यक्ति को होगी, जो खेल को पवित्र मानता है। चुनांचे, ऐसे बदबूदार और असंवेदनशील सवाल पूछने वालों को बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

श्रीलंका में दाने, खजाने का टोटा

आलोक जोशी

पंद्रह अगस्त के बाद से भारत में लगातार अफगानिस्तान खबरों में छाया हुआ है। बात भी बड़ी है। मगर इस बीच एक और पड़ोसी देश में एक टाइम बम फटा है, जिस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो। यह टाइम बम है श्रीलंका में फूड इमरजेंसी, यानी खाद्य आपातस्थिति का एलान। श्रीलंका सरकार ने खाने-पीने के सामान की जमाखोरी और मुनाफाखोरी के खिलाफ कड़े कदमों का एलान किया है। जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ खाने का संकट नहीं है, बल्कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी मुसीबत का संकेत है, और यह असल में आर्थिक आपातकाल का एलान है।

सच कहें, तो यह कोरोना की चेतावनी को हल्के में ले रहे लोगों के लिए खतरे की एक बड़ी घंटी है। कोरोना काल में श्रीलंका का पर्यटन उद्योग करीब-करीब ठप हो गया, और वह जिन चीजों के निर्यात पर निर्भर था, उसमें भी बहुत गिरावट आई। विदेशी निवेश न सिर्फ कम हुआ, बल्कि विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से भी बड़ी मात्रा में पैसा निकाला है। इन दोनों का असर था कि विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले श्रीलंकाई रुपये की कीमत में तेज गिरावट आई है। इस साल अभी तक श्रीलंका में अमेरिकी डॉलर 7.5 फीसदी से ज्यादा महंगा हो चुका है। उधर सिर्फ अगस्त के महीने में ही श्रीलंका में महंगाई दर में छह प्रतिशत का उछाल आया है।

बाजार में दाम का जायजा लेने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक भारतीय रुपये में 2.75 श्रीलंकाई रुपये आते हैं और एक डॉलर की कीमत श्रीलंका में दो सौ रुपये से ज्यादा हो चुकी है। कोलंबो की एक वेबसाइट ने महंगाई का आलम दिखाने के लिए कुछ चीजों के अगस्त 2020 और अगस्त 2021 के दाम बताए हैं। वहां एक किलो हरी मूंग 341 रुपये से 828 रुपये पर पहुंच गई है, जबकि प्याज 219 से 322 रुपये, मलका की दाल 167 से 250 रुपये, चीनी 135 से 220 रुपये, काबुली चने 240 से 314 रुपये और सूखी मछली 688 रुपये से 926 रुपये पर पहुंच चुकी हैं। जाहिर है, ज्यादातर चीजों के दाम 30 से 200 फीसदी तक बढ़ चुके हैं।

दाम बढ़ने के साथ ही चीजों की किल्लत भी होने लगी है और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने खबरें दी हैं कि दुकानों के बाहर लंबी लाइनें दिखाई पड़ रही हैं। किल्लत की सबसे बड़ी वजह है कि श्रीलंका अपनी जरूरत का ज्यादातर सामान आयात करता है और इस वक्त उसके पास आयात के लिए विदेशी मुद्रा काफी कम होती जा रही है। नवंबर 2019 में जब राजपक्षे सरकार बनी थी, तब देश के पास करीब 7.5 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, इस साल जुलाई के अंत तक यह गिरकर सिर्फ 2.8 अरब डॉलर रह गया और उसके बाद भी देश से पैसा निकलने का सिलसिला जारी ही है। इस सरकार के दौरान श्रीलंका की मुद्रा की कीमत लगभग 20 फीसदी गिर चुकी है। कोढ़ में खाज यह है कि दुनिया भर के बाजारों में कमॉडिटी की कीमतें उछाल पर हैं।

इसी का नतीजा है कि देश के निजी बैंकों ने कह दिया कि आयातकों को देने के लिए अब उनके पास डॉलर नहीं बचे हैं। और अब पिछले दो हफ्तों से तो सरकारी अफसर अनाज और चीनी के गोदामों पर छापे मारकर उनके स्टॉक भी जब्त करने लगे हैं। खबर है कि अब तक हजार से ज्यादा छापे मारे जा चुके हैं। साथ ही राशन के दाम भी तय किए जा रहे हैं। और मंगलवार को तो राष्ट्रपति राजपक्षे ने बाकायदा आवश्यक वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण का आदेश जारी कर दिया।

यह संकट कोरोना के साथ ही आया था। अब भी 2.1 करोड़ की आबादी वाले इस देश में हर रोज करीब 200 कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। अभी देश में 16 दिन का कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है, जो आज ही खत्म होना था। कोरोना काल में ही देश से निर्यात पर भी बहुत बुरा असर पड़ा। हालांकि, जुलाई के महीने में देश से निर्यात कोरोना से पहले की हालत में पहुंच चुका था, लेकिन करेंसी की गिरती कीमत की वजह से उसका भी पूरा फायदा नहीं मिल सकता। दूसरी तरफ, विदेश से आ रहे सामान का बिल भरना भी बड़ी मुश्किल है। इसीलिए कोरोना संकट शुरू होने के साथ ही ज्यादातर गैर-जरूरी चीजों और कुछ खाने-पीने की चीजों के भी आयात पर पाबंदी लगी हुई है। हाल ही में सरकार के एक मंत्री ने अपील की है कि लोग तेल बचाने के लिए गाड़ियां कम चलाएं। संकट सिर्फ इतना नहीं है कि श्रीलंका पर कर्ज का भारी बोझ भी है और मूडीज की तरफ से उस पर नजर रखी जा रही है। मूडीज का अनुमान है कि अगले चार-पांच साल तक सिर्फ कर्ज और ब्याज भरने के लिए ही श्रीलंका को हर साल चार से पांच अरब डॉलर की जरूरत पड़ेगी, और उसे आशंका है कि इसमें कहीं वह चूक भी सकता है।

ऐसी हालत में पड़ोसी देशों से श्रीलंका को काफी राहत मिली है। इतिहास में पहली बार बांग्लादेश ने श्रीलंका की आर्थिक मदद की है, अपने विदेशी मुद्रा भंडार से उसे करेंसी देकर। इससे पहले दक्षिण कोरिया और चीन से श्रीलंका 50-50 करोड़ डॉलर का कर्ज ले चुका है। और चीन के सेंट्रल बैंक ने उसके साथ डेढ़ अरब डॉलर का वैसा ही करेंसी स्वैप समझौता किया हुआ है, जैसा बांग्लादेश ने किया। श्रीलंका ने जून में भारत से भी 10 करोड़ डॉलर कर्ज लिया, और साथ ही अगस्त में उसे भारतीय रिजर्व बैंक से मिलने वाले 40 करोड़ डॉलर के करेंसी स्वैप के साथ ही भारत से इसी तरह एक अरब डॉलर और देने की मांग की है। श्रीलंका गहरी मुसीबत में है और किसी भी अच्छे पड़ोसी की तरह भारत को इस वक्त उसकी मदद करनी ही चाहिए। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अगर भारत की तरफ से हीला-हवाली हुई, तो चीन मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठा है। और साथ ही यह भी ध्यान रहे कि जल्द ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भी इसी तरह के खाद्य संकट की खबरें आ सकती हैं। तब क्या करना होगा, इसकी तैयारी वक्त रहते की जाए, तो बेहतर रहेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

> यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अगर भारत की तरफ से हीला-हवाली हुई, तो चीन मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठा है। और साथ ही यह भी ध्यान रहे कि जल्द ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भी इसी तरह के खाद्य संकट की खबरें आ सकती हैं। तब क्या करना होगा, इसकी तैयारी वक्त रहते की जाए, तो बेहतर रहेगा।

अंतर्मन

दृष्टि के मुकाबले मूल्यवान होता है दृष्टिकोण

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज हम सभी समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को लेकर व्यथित और चिंतित रहते हैं। सच तो यह है कि जीवन में दृष्टि से बहुत अधिक मूल्यवान तो व्यक्ति का दृष्टिकोण होता है। पेड़ को सभी पेड़ ही कहते हैं, लेकिन सहृदय कवि उस पेड़ में जीवन देख लेता है, जबकि कोई व्यापारी उसकी लकड़ी का मूल्य लगाकर हानि-लाभ का हिसाब लगा लेता है।

कौन नहीं जानता कि रामबोला नाम के एक युवक ने अपनी युवा पत्नी के प्रेम में पागल होकर नदी पार करके आधी रात को उसके पीहर में जाकर उसे जब जगाया, तो लोकलाज में डूबी पत्नी रत्नावली ने उसे एक दोहा कह दिया था -

अस्थि-चर्ममय देह यह, ता सौं ऐसी प्रीति।
नैकु जो होती राम सौं,क्यों होती भव भीति।

और, पत्नी के प्रेम में डूबे उस रामबोला को इन्हीं बोलों ने तुलसीदास बना दिया, जो रामचरित मानस रचकर अमर हो गए।

सच तो यही है कि हमारा दृष्टिकोण ही हमारे चिंतन का दर्पण होता है। एक व्यक्ति सारी बाधाओं के बाद भी शान्त और प्रसन्न रहता है, जबकि उसी के पास रहने वाला दूसरा व्यक्ति सब कुछ होते हुए भी सदा रोता और बिलखता ही रहता है। नीति के कवि रहीम ने तो ठोक बजाकर कहा है-

'जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहिं, लिपटे रहत भुजंग।'

फिर, ऐसा क्यों होता है कि समाज में सब कुछ होते हुए भी आदमी दुर्गुणों की ओर आकृष्ट हो जाता है? इस प्रश्न का उत्तर है कि हम दृष्टिकोण बदल लेते हैं।

एक राजा ने दरबार में एक उत्सव रखा और अपने पूज्य गुरुदेव एवं मित्र देश के राजाओं को भी उत्सव में सादर आमन्त्रित किया। राज्य की सुप्रसिद्ध नर्तकी को भी मनोरंजन के लिए बुलाया गया। राजा ने कुछ स्वर्ण मुद्रायें अपने गुरु जी को यह कहकर दे दीं कि यदि वे चाहें तो राजनर्तकी के अच्छे गीत और नृत्य पर प्रसन्न होकर उसे पुरस्कृत कर सकें। सारी रात नृत्य चलता रहा। ब्रह्म मुहूर्त की वेला आ गई। तभी राजनर्तकी ने देखा कि उसका तबला बजाने वाला ऊंघ रहा है। उत्सव में व्यवधान न हो, इसलिए उसको जगाने के लिए नर्तकी ने एक दोहा पढ़ा-

'बहुत बीती, थोड़ी रही,
पल पल गयी बिताय।
एक पलक के कारने,
क्यों कलंक लग जाय?'

राजनर्तकी के इस दोहे का दरबार में उपस्थित अलग-अलग व्यक्तियों ने अपने-अपने दृष्टिकोण के अनुरूप अलग-अलग अर्थ निकाला। राजनर्तकी की बात सुनकर तबले वाला भी सतर्क होकर अपना तबला बजाने लगा।

जब नर्तकी की यह बात राजा के गुरु जी ने सुनी, तो उन्होंने राजा के द्वारा दी हुई सारी स्वर्ण मुद्राएं प्रसन्न होकर उस नर्तकी के सामने फेंक दीं। तब तो अत्यंत उत्साहित नर्तकी ने वही दोहा फिर से पढ़ा, तो राजा की पुत्री ने तुरंत अपना नवलखा हार गले से निकालकर उसे भेंट कर दिया। राजनर्तकी ने उत्साह में भरकर फिर वही दोहा दोहराया, तो राजा के पुत्र युवराज ने भी अपना राज-मुकट उतार कर नर्तकी को समर्पित कर दिया। उत्साहित नर्तकी जब वही दोहा फिर दोहराने लगी, तो राजा ने ऊंची आवाज में कहा—बस करो राजनर्तकी, अपने एक ही दोहे से, तुमने वेश्या होकर भी, आज यहां बैठे हुए लोगों को लूट लिया है।

जब यह बात राजा के गुरु ने सुनी तो गुरु जी कहने लगे—राजा! इसको तुम वेश्या मत कहो, ये तो मेरी गुरु बन गयी है। आज इसने बताया है कि मैं सारी उम्र संयमपूर्वक ईश्वर-भक्ति करता रहा हूं और जीवन के आखिरी समय में इस राजनर्तकी का यह मुजरा देखकर, अपनी साधना को नष्ट करने यहां चला आया हूं। इसलिए मैं तो चला। यह कहकर गुरु जी अपना कमण्डल उठा कर जंगल की ओर चल पड़े।

तभी राजा की लड़की ने भी कहा—पिताजी! आप राजकाज में आंखें बन्द किए बैठे रहे हैं। मेरी शादी की बात आपने कभी सोची ही नहीं। आज रात को मैंने आपके महावत के साथ भागकर शादी करने की योजना बना ली थी लेकिन इस नर्तकी ने मुझे सुमति दी है कि जल्दबाजी मत कर, कभी तो तेरी शादी होगी ही। क्यों अपने पिता और इस राजवंश को कलंकित करने पर तुली हुई है? मुझे क्षमा करें। तभी युवराज ने भी क्षमा मांगते हुए कहा—पिता जी! आप वृद्ध हो चले हैं, फिर भी मुझे राज्य नहीं दे रहे थे। मैंने आज रात ही आप के सिपाहियों से मिलकर, आपकी हत्या करवा कर राज्य छीन लेने की योजना बनाई थी, लेकिन इस नर्तकी ने मुझे समझाया कि पगले! आज नहीं तो कल, आखिर राज्य तो तुम्हें ही मिलना है, तब क्यों अपने पिता की हत्या का कलंक अपने सिर पर लेता है? जब ये सब बातें राजा ने सुनी, तो राजा को भी आत्मज्ञान हो गया। राजा के मन में भी वैराग्य आ गया। राजा ने उसी समय युवराज का राजतिलक किया और अपनी पुत्री को कहा—पुत्री! आज दरबार में एक से एक राजकुमार आये हैं। तुम अपनी इच्छा से किसी भी राजकुमार के गले में वर माला डालकर पति रूप में चुन सकती हो। राजकुमारी ने ऐसा ही किया और राजा अपना राजपाट त्याग कर अपने गुरु की शरण में चला गया। यह सब देखकर उसी समय राजनर्तकी में हृदय में भी वैराग्य आ गया।

हर व्यक्ति को थोड़ा धैर्य रखकर चिन्तन करने की आवश्यकता है। दृष्टि भले ही एक सा दिखलाती हो, लेकिन महत्वपूर्ण और मूल्यवान तो आदमी का दृष्टिकोण ही होता है।

जीड़ीपी

उम्मीद से बेहतर बढ़ोतरी

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

अगस्त 31 को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ने 20.1 फीसद की विकास दर बताई है। देश के इतिहास में पहली बार विकास दर में 20 फीसद से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 49.6 फीसद उछाल आया है। निर्माण गतिविधियों में 68.3 फीसद की शानदार वृद्धि हुई है। व्यापार, होटल, परिवहन क्षेत्र में 34.3 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में 3.7 फीसद की वृद्धि देखी गई है। कृषि और संबंधित गतिविधियों में 4.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही ही वह अवधि थी, जब देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी घातक लहर आई और आर्थिक व कारोबारी गतिविधियां ढह गई थीं, लेकिन इस बार देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगा। प्रादेशिक स्तर पर लॉकडाउन जैसे कदम जरूर उठाए गए। कई अहम आपूर्ति श्रृंखलाएं लगातार कार्यरत रहीं। ऐसे में भारत ग्रुप-20 देशों में सबसे तेजी से विकास दर बढ़ाने वाला देश बन गया है।

भारत की विकास दर अगले साल तक महामारी के पूर्व स्तर पर पहुंच सकती है। यकीनन कोरोना संक्रमण से निर्मित आर्थिक मुश्किलों के बीच चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में जीडीपी को बढ़ाने में चार अनुकूलताएं लाभप्रद रहीं। एक; मजबूत कृषि विकास दरर रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन व रिकॉर्ड कृषि निर्यात। दो; रिकॉर्ड ऊंचाई पर विदेशी मुद्रा भंडार। तीन; प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रिकॉर्ड प्रवाह। चार; तेजी से बढ़ता हुआ शेयर बाजार। निश्चित रूप से देश में कृषि क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाए जाने के लाभ मिले हैं। दिखाई दे रहा है कि पिछले तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर लगातार बढ़ी है। 2019-20 की पहली तिमाही में यह 3.3 फीसद थी। पिछले वर्ष की पहली तिमाही में 3.5 फीसद व इस वर्ष की पहली तिमाही में 4.5 फीसद है। कृषि निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। देश में बढ़ते विदेशी निवेश के प्रवाह से भी विकास दर बढ़ने में मदद मिली है।

यद्यपि अप्रैल से जून, 2021 की तिमाही में दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में बड़ी गिरावट थी। इसके बावजूद विदेशी निवेशकों को भारत के लिहाज से प्राथमिकता दी। भारत का विदेशी मुद्रा कोष भी बढ़ता गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक विगत 20 अगस्त को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 616.89 अरब डॉलर की ऐतिहासिक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारत दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला देश बन गया है। निस्संदेह शेयर बाजार का भी जीडीपी बढ़ाने में अहम योगदान है। 2021-22 की पहली तिमाही में शेयर बाजार तेजी से बढ़ा है। कई देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार छलांग लगाकर बढ़ते दिखाई दे रहा है। बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 31 अगस्त को पहली बार 57000 के ऊपर बंद हुआ है।

निस्संदेह जीडीपी के चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 की चुनौतियों के बीच आर्थिक अनुकूलताओं से अर्थव्यवस्था में सुधार आने लगा है। अप्रैल से जून, 2021 की तिमाही के घटकों से भी आशावाद की किरणें नजर आती हैं। अगस्त 2021 में जीएसटी संग्रह 1.12 लाख करोड़ रुपये रहा। अर्थव्यवस्था के विभिन्न मूल क्षेत्र बिजली और विनिर्माण आदि में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री और स्टील की खपत ने भी प्रगति दिखाई है। चूंकि अभी कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के बीच आर्थिक और औद्योगिक चुनौतियां बनी हुई हैं। ऐसे में चालू वित्त वर्ष में विकास दर बढ़ाने के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास जरूरी है। आशा के अनुरूप मानसून की बारिश नहीं होने से खरीफ की फसलों पर अधिक ध्यान देने से कृषि जीडीपी की बढ़त जारी रह सकेगी। इस पर भी ध्यान देना होगा कि कोरोना टीकाकरण लक्ष्य के अनुरूप लोगों तक पहुंचे। निजी खपत और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देने के लिए महंगाई में कमी करना जरूरी है। पेट्रोल-डीजल पर टैक्स घटाने पर विचार करना होगा। निजी क्षेत्र को निवेश बढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहन देना होगा। निश्चित रूप से ऐसे प्रयासों से चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंत में विकास दर वैश्विक अनुमानों के मुताबिक 9 से 10 फीसद के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगी।

सुविधाजनक होना चाहिए रेस्टरूम

रेस्टरूम घर का अहम हिस्सा होते हैं। इनकी साज-सज्जा पर भी उतना ही ध्यान देने की जरूरत होती है, जितना कि घर के बाकी हिस्सों पर।। जरा सी भी कमी या अव्यवस्था सुबह से ही आपका मूड खराब कर देगी। जानते हैं कि कैसे रख सकते हैं अपना रेस्टरूम भी ऐसा कि लोग आपकी तारीफ किए बिना रह न सकें। रेस्टरूम घर का वह कोना होता है जो सिर्फ घर वाले ही नहीं बल्कि घर आए मेहमान या दोस्त भी अकसर इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि यह वह जगह होती है जहां नए विचार जन्म लेते हैं और लोग अपना तनाव भी यहां दूर करते हैं। क्रिएटिव लोग या जो अकेले में समय बिताना चाहते हैं, उनके लिए भी यह सबसे मुफीद जगह होती है। इसलिए रेस्टरूम या वॉशरूम ऐसा होना चाहिए जो कि साफ-सुथरा होने के साथ ही सुविधाजनक भी हो। आपकी जरूरत भर का सामान रखने लायक जगह भी वहां होनी चाहिए। आप अपनी पसंद के हिसाब से अपने रेस्टरूम को कोई भी स्टाइल दे सकते हैं, मसलन इंडियन, वेस्टर्न या इंडो वेस्टर्न।

वेल डिजाइंड हो रेस्टरूम

घर के हर हिस्से के लिए सही लोकेशन का चयन करना बेहद जरूरी होता है। रेस्टरूम हमेशा ऐसी जगह पर होना चाहिए जो आपके बेडरूम और ड्रॉइंगरूम के पास हो। आजकल वैसे भी हर कमरे से अटैच्ड एक रेस्टरूम होता ही है। जब अपना घर सजाने में हम इतनी मेहनत करते हैं, हर छोटी-बडी बात का विशेष खयाल रखते हैं, तो रेस्टरूम की डिजाइनिंग को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। रेस्टरूम के बाहर थोडी जगह ड्रेसिंग एरिया के लिए जरूर रखनी चाहिए, इससे तैयार होने में सहूलियत रहती है। इसे पाउडर रूम भी कहते हैं। पूरे घर या फ्लैट का इंटीरियर डिजाइनर होने पर रेस्टरूम को भी वैसा ही लुक देने की कोशिश करनी चाहिए। अगर सीलिंग की हाइट 10 फीट हो तो तो डिजाइनर सीलिंग बनवाई जा सकती है। उससे कम हाइट होने पर उसे सादा ही रहने दें। अगर दरवाजे की हाइट लगभग 7 फीट हो तो 3 फीट का गैप जरूर रखना चाहिए। लाइट फिटिंग, पाइप, कैबिनेट और बाकी सभी एक्सेसरीज का बजट पहले ही बना लेना चाहिए। डिजाइनर रेस्टरूम्स में डिजाइनर नलों व शॉवर्स की फिटिंग जरूर करवाएं।

टाइल्स और दीवारें

आजकल सेरमिक टाइल्स भी चलन में हैं। ये मार्बल को अच्छी टक्कर दे रहे हैं। ये मोजैक टाइल्स का ही पार्ट होते हैं और इन टाइल्स का रख रखाव भी आसान होता है। बाकी टाइल्स की तुलना में ये किफायती होने के साथ ही टिकाऊ भी ज्यादा होते हैं। रेस्टरूम में हमेशा ऐसी फ्लोरिंग को तवज्जो देनी चाहिए जिस पर फिसलन का खतरा कम हो। दीवारों के लिए भी तरह-तरह के डिजाइनर टाइल्स मार्केट में उपलब्ध हैं। उन्हें आप किसी थीम के हिसाब से भी लगवा सकते हैं। डिजिटल पेंटिंग वाले टाइल्स भी काफी चलन में हैं।

टाइल्स का चयन करते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे पानी सोखने की क्षमता रखते हों और उन्हें आसानी से धोया भी जा सके। वॉलपेपर की तरह इन डिजाइनर टाइल्स का इस्तेमाल करने से लुक बिलकुल बदल जाता है।

फर्नीचर व अन्य एक्सेसरीज

अपने बाथटब या वॉल टाइल्स से मैच करता हुआ ग्रेनाइट मार्बल का वॉशबेसिन आप काउंटरटॉप पर लगवा सकते हैं। रिच लुक के लिए कोरियन मार्बल का वॉशबेसिन भी फिट करवा सकते हैं। नीचे आप क्लोजेट बनवा सकते हैं। उसमें टॉवेल्स व वॉशिंग केमिकल्स रख सकते हैं। यह अच्छा स्टोरेज स्पेस होता है। इसको जमीन से लगभग 6 इंच ऊपर बनवाना चाहिए। बेसिन के पास डिजाइनर शीशा लगवाने से रेस्टरूम की रौनक बढ जाती है। दीवार के एक साइड पर वैनिटी या रैक भी लगवाई जा सकती है। ये टिकाऊ होती हैं और इन्हें साफ करना भी आसान होता है। जगह हो तो उसके अलावा और रैक्स भी रख लें। इससे सामान व्यवस्थित रहेगा। रैक्स का मटीरियल ध्यान से चुनें। पानी पडने पर जल्दी खराब होने की आशंका न हो। रंग-बिरंगे डिजाइनर टाइल्स या नैचरल वुडेन लुक देने से भी रेस्टरूम को खास बना सकते हैं। वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट जरूर लगवाएं। चाहें तो पंखा भी फिट करवा सकते हैं।

लगे कुछ खास...

-जगह ज्यादा दिखाने के लिए हल्के रंगों का चयन करें। ऑफ-व्हाइट के अलावा ग्रीन व ग्रे के हल्के शेड्स चलन में हैं।

-अगर शॉवर एरिया को कमोड से अलग रखना हो तो शॉवर एरिया के लिए एक प्लैटफॉर्म तैयार करवाएं, जहां बाथ टब के साथ शॉवर भी हो।

-साबुन, वॉशिंग पाउडर, टूथपेस्ट, डीओडरेंट, लोशन जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए शेल्फ जरूर बनवाएं।

-सोप किट, बाल्टी, मग आदि एक ही रंग के लिए जा सकते हैं या एक ही थीम के अनुरूप।

-जगह बचाने के लिए मिरर के पीछे भी एक छोटी अलमारी बनवा सकते हैं। अगर वुडन फिनिश्ड कैबिनेट्स लगवाना चाहते हैं तो उन्हें अच्छे से पेंट करवाएं।

-अगर आपको रेस्टरूम में फूल रखने का शौक है तो आर्टिफिशियल के बजाय ताजे फूल सजाएं। इससे वातावरण सुगंधित रहने के साथ ही ताजगी भरा भी रहेगा।

-खुशनुमा वातावरण के लिए एरोमा कैंडिल, सुगंधित तेल रखें।

-कपडे टांगने के लिए होल्डर जरूर लगवाएं।

-वॉशबेसिन के पास ही एक होल्डर में टूथब्रश, पेस्ट, फेसवॉश आदि रखें।

फटे दूध के पानी से बनाएं नाइट फेस सीरम

महिलाओं को किचन संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें दूध का फटना भी एक आम समस्या है। ऐसे में महिलाएं इस फटे दूध का पनीर बनाने के बाद इसका पानी फेंक देती है। मगर स्किन एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह पानी हमारी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। जी हां, आप इसे फटे दूध के पानी से नाइट सीरम बना सकती है। चलिए आज हम आपको फटे दूध के पानी से सीरम बनाने व लगाने तरीका और इसके फायदे बताते हैं...

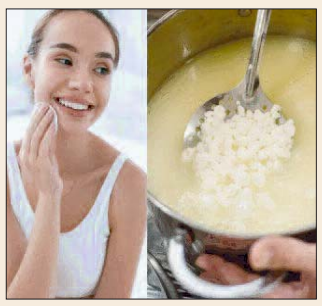

नाइट सीरम बनाने का तरीका

अगर दूध फटा हुआ है तो इसे छन्नी से छानकर पानी अलग करें। अगर आपको सीरम दूध फाड़कर बनाना है तो इसे पैन में डालकर गर्म करें। अब इसमें नींबू की कुछ बूंदें मिलाएं। दूध फटने पर इसे ठंडा कर लें। फिर दूध का पानी छानकर अलग बाउल में डालें।

अब इसमें 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन, चुटकीभर हल्दी और चुटकीभर नमक मिलाएं। सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर कांच की बोतल में भरकर फ्रिज में रखें। आपका नाइट सीरम बनकर तैयार है। इसे आप 2-3 दिन यूज कर सकती हैं।

नाइट सीरम इस्तेमाल करने का त रीका

. सबसे पहले फेसवॉश से चेहरा धोकर साफ करें। अब कॉटन बॉल में दूध का सीरम लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं। अब हल्के हाथों से मसाज करते हुए इसे पूरे चेहरे पर फैलाएं। इसे पूरी तरह से सूखने दें।

5-10 मिनट के बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। इसके अलावा आप इसे रातभर लगाकर सो जाएं। अगली सुबह ताजे पानी से मुंह धोएं।

पार्लर से नहीं खुद करें अपना पार्टी मेकअप, वो भी मिनटों में

पार्टी या फंक्शन में जाने के लिए लड़कियां पार्लर जाकर खास मेकअप करवाती हैं। मगर, कुछ महिलाओं के पास पार्लर जाने का समय या बजट नहीं होता। ऐसे में आप घर पर ही कुछ आसान स्टेप में मेकअप करके पार्लर जैसा मेकअप कर सकती हैं। यहां हम आपको कुछ आसान स्टेप बताएंगे, जिससे आप खुद ही पार्लर जैसा परफेक्ट मेकअप लुक पा सकती हैं वो भी मिनटों में।

स्टेप 1 : मेकअप दिनभर टिका रहे इसलिए ब्यूटीशियन बढ़िया क्वालिटी का प्राइमर या सीरम लगाती हैं लेकिन आप इसकी जगर एलोवेरा जेल भी लगा सकती हैं। एलोवेरा जेल ना सिर्फ स्किन के लिए अच्छा है बल्कि इससे मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहता है।

स्टेप 2 : इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन, बीबी या सीसी क्रीम अप्लाई करें। इसके डॉट्स लगाकर ब्यूटी ब्लैंडर से अच्छी तरह मिक्स कर लें। ब्यूटी ब्लैंडर को यूज करने से कुछ देर पहले पानी में भिगो दें और फिर निचोड़कर अच्छी तरह यूज करें। इससे चेहरे पर पैचेस नहीं पड़ेंगे।

स्टेप 3 : अगर चेहरे पर डार्क स्पॉट्स, झाइयां या पिंपल्स के निशान आदि हैं तो कंसीलर लगाएं। इससे दाग-धब्बे छिप जाएंगे।

स्पेट 4 : इसके बाद काजल की मदद से आईब्रो को शेप दें। अगर आईब्रो सेट नहीं होगी तो आप कितना भी मेकअप कर लें वो अच्छा नहीं लगेगा। इसके बाद आप आंखों पर डाई फाउंडेशन लगाकर ड्रैस के साथ मैचिंग आई शैडो लगाएं। फिर आईलाइनर, काजल व मस्कारा अप्लाई कर लें। आप चाहे तो कलरफुल आईलाइनर भी अप्लाई कर सकती हैं।

स्टेप 5 : अब बारी आती है होंठों की... सबसे पहले पेंसिल लाइनर से होंठों को शेप दें और फिर ड्रेस के हिसाब से लिप शेड लगाएं। ध्यान रखें कि लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर फाउंडेशन लगा लें, ताकि वो दिनभर टिकी रहे।

स्टेप 6 : इसके बाद चिकबोन्स पर गोल्डन हाइलाइटर और गालों पर पिंक ब्लशर लगाएं। अब हेयरस्टाइल बनाकर ड्रैस के हिसाब से मैचिंग बिंदी, ज्वैलरी कैरी करें। लीजिए अब आप पार्टी में जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

ऐसे दूर करें कोहनी और घुटनों के कालेपन को

जरा सोचिए! कैसा होगा अगर आपका चेहरा तो चमक रहा है लेकिन आपकी कोहनी और घुटने कालेपन से आपकी खूबसूरती में धब्बा लगा रहे हैं। ऐसे में न क्रीम काम आती है और न ही स्क्राब। कोहनी और घुटने की कालिमा इतनी आसानी से कहां जाती है। अब फिक्र न करें बस कुछ घरेलू उपाय और आपकी ये प्रॉब्लम हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

नींबू और मलाई का पेस्टः घुटने और कोहनी की सफाई के लिए सबसे लोकप्रिय घरेलू उपाय है नींबू और मलाई का पेस्ट।। नींबू को छील कर उसमें मलाई मिला लें, नींबू रस से त्वचा की गंदगी दूर होती है और आपकी कोहनी का कालापन धीरे-धीरे दूर हो जाएगा।

शहदः घुटने और कोहनी की सफाई के लिए शहद एक अच्छात विकल्प है। ऐसे में आप शहद का उपयोग कर सकते हैं। शहद त्वबचा को नरम रखता है, जो बहुत लाभ पहुंचाता है।

नारियल का तेलः नारियल का तेल मॉइस्चराइजिंग गुण से समृद्ध होता है और त्वचा के लिए एक अच्छा टॉनिक भी है। नहाने से पहले अपने पूरे शरीर और कोहनी एवं घुटनों पर नारियल तेल लगाएं।

एलोवेराः एलोवेरा भी घुटने और कोहनी की सफाई के लिए लिए एक अच्छा विकल्प है, काले पड़े घुटनों और कोहनी पर नियमित रूप से इसके जैल का उपयोग करने से त्वबचा के दाग-धब्बेप भी साफ होते है।

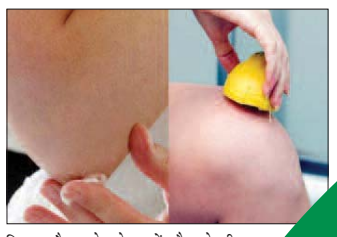

स्क्ररबरः स्क्रेबर मृत त्वचा को हटाने में काफी प्रभावशाली होता है। नहाते समय झांवें को गीला करके उससे कोहनी और घुटने की सफाई करें।

सीधे बालों को कर्ल करने के आसान तरीके

लड़कियो कि असली खूबसूरती का राज उनके बाल होते हैं। अपने बालों को नया लुक देकर जब आप खुद को एक नये अंदाज में देखते हैं तो इस खुशी का अंदाजा लगाना भी मुश्किल होने लगता है। लेकिन बाल जब एक ही तरह के दिखते हैं तब आप खुद में बोरियत पन का अहसास करने लगते हैं। और फिर बाल अगर सिल्की स्ट्रेट हो तब तो कोई भी स्टाइल बना पाना और भी मुश्किल हो जाता है।

इससे ज्यादा बोरिंग और क्या होगा कि आप कहीं भी जाए बस एक ही हेयर स्टाइल हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पार्टी में जाने के लिए बालों को एक नया लुक देने के लिए आप पार्लर में न जाने कितना पैसे खर्च करते हैं लेकिन जैसे ही आप सैलून से बाहर निकलती हैं ये लॉक्स फिर से फ्लैट हो जाते हैं। इसीलिए हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे टिप्स, जिन्हें फॉलो कर आप अपने घर पर ही इन कर्ल्स को ज्यादा टाइम तक टिका सकती हैं।

सावधानियांः- बालों में ज्यादा कंडीशनर उन्हें और फिर सिल्की बनाता है और इससे बालों में कर्ल्स टिक नहीं पाते। इसीलिए कंडीशनर कम लगाएं। साथ ही हमेशा हेयर वॉश करने के अगले दिन ही बालों को कर्ल करें। क्योंकि ऐसे में बालों में नैचुरल ऑयल होगा, यदि आप बालों में कर्लिंग आयरन लगा रहे है तो ध्यान दे कि इससे पहले बालों में मूस लगा लें।

एक बेसबॉल साइज जितना मूस लें और बालों की जड़ों से लेकर एंड्स तक लगाएं। ये आपके बालों के ऊपर एक कवच बनाएगा, जिससे कर्ल्स अच्छे से टीके रहेंगे। आप नारियल या आर्गन तेल भी लगा सकती हैं।

बाल कर्ल बनाए रखने के तरीके...

कर्ल और क्लिप-कुछ सेकेंड्स में कर्ली बाल पाने के लिए कई कर्लिंग रॉड्स और फ्लैट आइरन्स आती हैं। लेकिन कर्ल करने के बाद आपका अगला स्टेप होना चाहिए क्लिप। अगर आपके बाल बहुत कर्ल हैं तब तो ये बहुत जरूरी है। इसीलिए बालों को कर्ल करने के 5 सेकेंड बाद बालों से रॉड हटाएं और डकबिल क्लिप या बॉबी पिन लगा लें।

5 से 10 मिनट रूकें। अगर आप हीट डैमेज से बालों में होने वाले नुकसान के बारे में परेशान हैं तो रात भर सॉफ्ट स्पॉंज रोलर्स लगा कर सोएं। इससे आपको बिना बालों को डैमेज किए वही रिजल्ट मिलेगा। बालों से क्लिप खोलने के बाद बालों को उंगलियों से बिखेरें। आप कैसे भी कर्ल करें, हर बार उन्हें उंगलियों से ही बिखेरें, इससे कर्ल्स बालों में ज्यादा टाइम तक बने रहेंगे। आखिर में हेयर स्प्रे लगाएं, बस आप तैयार हैं।

सैमसंग हेवी जहाज टक्कर अवोइडेंस प्रणाली का करता है प्रदर्शन

सियोल। सैमसंग हेवी इंडस्ट्रीज ने कहा, जहाज की टक्कर से बचने की प्रणाली का प्रदर्शन करने में सफल रही है। सैमसंग हेवी ने कहा, शिपबिल्डर की रिमोट ऑटोनॉमस नेविगेशन सिस्टम, जिसे सैमसंग ऑटोनॉमस शिप (एसएएस) के नाम से जाना जाता है, दो स्वायत्त जहाजों को अपने प्रक्षेपवक्र से बचने में मदद की, जो दक्षिण-पश्चिमी द्वीप गैजियो से समुद्र में एक-दूसरे के सामने आने से बचते हैं। सैमसंग हैवी ने कहा कि समुद्र पर प्रदर्शन दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रदर्शन है। शिपबिल्डर ने कहा कि मोकपो नेशनल मैरीटाइम यूनिवर्सिटी के 9,200 टन के टग और सैमसंग हेवी के 300 टन के टग का इस्तेमाल टकराव से बचने की प्रणाली को प्रदर्शित करने के लिए किया गया था। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट, अक्टूबर 2020 में, सैमसंग हेवी ने कहा कि उसने समुद्र से 250 किलोमीटर दूर डेजॉन में स्थित एक शोध केंद्र में रिमोट कंट्रोल सिस्टम के माध्यम से, सियोल से 398 किलोमीटर दक्षिण में जियोजे द्वीप से समुद्र में अपने 300 टन के दूरस्थ स्वायत्त जहाज को सफलतापूर्वक नेविगेट किया। सैमसंग हेवी 2022 तक अपने स्वतंत्र रूप से विकसित स्वायत्त नेविगेशन सिस्टम एसएएस का व्यावसायीकरण करने की योजना बना रहा है। जुलाई में वापस, मेगा कंटेनर जहाज जेफायर लुमोस, सिंगापुर और पोर्ट डिक्सन के बीच, मलेशिया के मेलाका में मलक्का जलडमरूमध्य में पनामाक्स बल्क कैरियर गैलापागोस से टकरा गया। दोनों जहाज पश्चिम दिशा की ओर जा रहे थे।

मारुति सुजुकी ने चुनिंदा मॉडलों के दाम बढ़ाए

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने चुनिंदा मॉडलों की कीमतों में वृद्धि करने की घोषणा की है। एक नियामक फाइलिंग में, कंपनी ने इनपुट लागत में वृद्धि के निर्णय को कीमतों में इजाफे के लिए जिम्मेदार ठहराया। कंपनी ने कहा, छह सितंबर से, कंपनी ने विभिन्न इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण चुनिंदा मॉडलों के लिए कीमतों में बदलाव की घोषणा की। चुनिंदा मॉडलों में एक्स-शोरूम कीमतों (दिल्ली) में भारित औसत मूल्य वृद्धि 1.9 प्रतिशत है। कंपनी ने 30 अगस्त को कहा, पिछले एक साल में विभिन्न इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण उसके वाहनों की लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मूल्य वृद्धि के माध्यम से ग्राहकों को अतिरिक्त लागत के कुछ प्रभाव को पारित करना अनिवार्य हो गया है। सितंबर 2021 में सभी मॉडलों में मूल्य वृद्धि की योजना बनाई गई है।

हीटेरो बनाएगी तोसिलीजुमैब का जेनरिक वर्जन, मिली मंजूरी

बेंगलुरु। भारतीय दवा निर्माता कंपनी हीटेरो ने कहा कि उस रोशे होल्डिंग एजी की कोरोना दवा के जेनरिक वर्जन के निर्माण की इमरजेंसी अनुमति मिल गई है।हीटेरो को उम्मीद है कि वह तोसिलीजुमैब दवा को इस महीने के आखिर तक तोसिरा ब्रैंड नाम से बाजार में उतारने में कामयाब रहेगी। कोरोना के बेहद संक्रामक डेल्टा वैरिएंट के चलते कई देशों में बढ़े संक्रमण के मामलों के चलते बाजार में तोसिलीजुमैब दवा की कमी हो गई है। भारत में अप्रैल और मई के दौरान कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान रिकॉर्ड मामले पाए जाने के बाद सितंबर में संक्रमण के मामले बेहद कम आ रहे हैं।हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का अनुमान है कि अक्टूबर के आखिर में देश में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर आ सकती है। रोशे कंपनी की दवा तोसिलीजुमैब आर्थराइटिस के केस में काफी कारगर है, हालांकि कोविड के गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए यह दवा मृत्यु की आशंका को काफी कम कर देती है।साथ ही इससे रिकवरी टाइम भी कम होता है और मरीज को मैकेनिकल वेंटिलेशन की जरूरत भी कम हो जाती है।तोसिरा का निर्माण हीटेरो के हैदराबाद स्थित प्लांट में होगा। बता दें कि हीटेरो कोविड-19 ट्रीटमेंट में कारगर रेमडेसिविर और फेवीपिरावीर का भी निर्माण करती है।

विबग्योर, एमपीएस समूह, पाइलन समूह की संपत्तियों की चार अक्टूबर को नीलामी करेगी सेबी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

पूंजी बाजार नियामक सेबी अगले महीने तीन इकाइयों - विबग्योर एलाइड इंफ्रास्ट्रक्चर, एमपीएस ग्रुप ऑफ कंपनीज और पाइलन ग्रुप ऑफ कंपनीज की 18 संपत्तियों की अगले महीने आनलाइन नीलामी करेगी। कंपनी ने इसके लिये 62 करोड़ रुपये से अधिक का आरक्षित मूल्य तय किया है। नीलामी के लिए तय की गयी संपत्तियों में पश्चिम बंगाल में स्थित भूखंड, कार्यालय की जगह, वाणिज्यिक स्थान और एक फ्लैट शामिल हैं। सेबी ने निवेशकों का पैसा वसूल करने की अपनी कोशिश के तहत यह फैसला किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शनिवार को जारी एक नोटिस में कहा था कि वह एमपीएस ग्रुप ऑफ कंपनीज की 13 संपत्तियों, विबग्योर एलाइड इंफ्रास्ट्रक्चर की तीन संपत्तियों और पल्लन ग्रुप ऑफ कंपनीज की दो संपत्तियों की कुल 62 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर नीलामी करेगा। नीलामी चार अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। नियामक ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार कंपनियों की संपत्ति की बिक्री की प्रक्रिया शुरू कर दी है। न्यायाधीश न्यायमूर्ति शैलेंद्र प्रसाद तालुकदार के नेतृत्व में इन कंपनियों की संपत्ति के परिसमापन

और निवेशकों को उनके पैसे चुकाने के लिए एक सदस्यीय समिति बनाई गई थी। नोटिस के मुताबिक समिति ने सेबी को नीलामी की मंजूरी दी है।

सोना 71 रुपये गिरा, चांदी 263 रुपये उछली

नयी दिल्ली,

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोना 71 रुपये की गिरावट के साथ 46,503 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,574 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके विपरीत चांदी 263 रुपये की तेजी के साथ 64,168 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच गई। चांद पिछले कारोबारी सत्र में 63,905 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,826 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 24.78 डॉलर प्रति औंस पर थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा कि डॉलर में सुधार के कारण सोमवार को सोने में दो महीने के उच्च स्तर पर कारोबार हुआ और बिकवाली देखने को मिली।

दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 7-8% तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र की खपत और निवेश दोनों बढ़ने से चालू वित्त वर्ष दूसरी तिमाही में देश का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7-8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्तीय क्षेत्र की कंपनी मोतीलाल ओसवाल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) की सोमवार को जारी ईकोस्कोप रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष में जुलाई में निजी खपत तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। साथ ही निजी निवेश में भी तेजी आई है। इसकी बदौलत जुलाई में जीडीपी के 5.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। वहीं इस अवधि में सकल मूल्य वर्द्धन (जीवीए) 7.7 प्रतिशत रह सकता है। इसके आधार पर वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी सात से आठ प्रतिशत तक रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2021 में कुल खपत पिछले वर्ष की इसी अवधि के ऋणात्मक 12.1 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 5.1 प्रतिशत रहा है। इस बीच वार्षिक आधार पर निजी खपत तीन महीने के उच्चतम स्तर 6.9 प्रतिशत पर पहुंच गया है। हालांकि सरकारी खपत 31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस वर्ष जुलाई में कुल निवेश पांच महीने के निचले स्तर 12.1 प्रतिशत पर आ गया है जबकि जुलाई 2020 में यह गिरावट 21 प्रतिशत रही थी। वित्त वर्ष 2021 के पहले चार महीने दौरान सरकार का पूंजीगत व्यय दूसरी बार कम हुआ है।

सेंसेक्स, निफ्टी नये रिकार्ड स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी शेयरों में तेजी

मुंबई (एजेंसी),

शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा। बीएसई सेंसेक्स 167 अंक की मजबूती के साथ अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में तेजी से बाजार को मजबूती मिली। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.96 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,296.91 अंक के नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 58,515.85 अंक की रिकार्ड ऊंचाई तक चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 54.20 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ नये रिकार्ड 17,377.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 17,429.55 अंक के उच्च स्तर तक चला गया था सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में एचसीएल टेक का शेयर रहा। इसके अलावा इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचयूएल में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक कोटक बैंक, पावर ग्रिड, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टाइटन और आईटीसी शामिल हैं। इनमें 1.13 प्रतिशत की गिरावट आयी। सेंसेक्स में शामिल तीस शेयरों में से 17 नुकसान में जबकि 13 लाभ में रहें। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख और आईटी तथा रियल्टी शेयरों को मजबूत समर्थन से घरेलू बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका में रोजगार सृजन हल्का रहने से आर्थिक प्रोत्साहन जारी रहने की उम्मीद तथा जापान एवं चीन में प्रोत्साहन पैकेज पर चर्चा से वैश्विक बाजारों में तेजी रही।' उन्होंने कहा, ''आर्थिक स्थिति के सामान्य होने के साथ कारोबारी रियल्टी शेयरों की ओर आकर्षित हुए जबकि सुरक्षित माने जाने वाले आईटी शेयरों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला।'' खंडवार सूचकांकों में बीएसई रियल्टी सूचकांक 2.97 प्रतिशत, आईटी 1.47 प्रतिशत, टिकाऊ उपभोक्ता सामान 1.43 प्रतिशत, प्रौद्योगिकी 1.25 प्रतिशत और ऊर्जा 0.78 प्रतिशत मजबूत हुए। हालांकि, तेल एवं गैस, बिजली, जन केंद्रित सेवाओं और बैंक से जुड़े सूचकांक 0.66 प्रतिशत नीचे आये। बीएसई स्मॉल और मिड कैप सूचकांक 0.59 प्रतिशत मजबूत हुए।

अमेरिका में रोजगार के कमजोर आंकड़े के आने के बाद से वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख है। इससे यह उम्मीद मजबूत हुई है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फिलहाल प्रोत्साहन उपायों को वापस नहीं लेगा। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, सियोल, टोक्यो और हांगकांग अच्छे-खासे लाभ में बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.03 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे टूटकर 73.10 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक सप्ताहांत शुक्रवार को पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने 768.58 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

ओएनजीसी की रिफाइनिंग सहायक एमआरपीएल को एचपीसीएल के साथ विलय में देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकारी तेल और गैस खोजकर्ता ओएनजीसी की अपनी रिफाइनिंग सहायक कंपनी एमआरपीएल का हाल ही में अधिग्रहित एचपीसीएल के साथ अपने अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम परिचालन को दो वर्टिकल में एक साथ आने में देरी हो गई है। इस प्रक्रिया के अब वित्त वर्ष 24 तक पूरा होने की उम्मीद है क्योंकि ओएनजीसी की एमआरपीएल के आसपास अपने रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल कारोबार को मजबूत करने की योजना में काफी समय लग रहा है। सूत्रों ने बताया कि ओएनजीसी की दो तेल शोधन अनुषंगियों हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड के विलय की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एचपीसीएल और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), कंपनी द्वारा ओएनजीसी मैंगलोर पेट्रोकेमिकल लिमिटेड का विलय पूरा करने के बाद ही शुरू किया जाएगा। कंपनी के एक अधिकारियों ने कहा, रूढ़िवादी मान्यताओं के तहत विलय (एचपीसीएल और एमआरपीएल) वित्त वर्ष 24 के अंत तक हो सकता है क्योंकि एमआरपीएल-ओएमपीएल विलय पहले होना है और यह व्यवसाय कम से कम उनके विलय की प्रभावी तिथि होने के लिए वित्त वर्ष 2019 के अंत के साथ पांच साल तक जारी रहना चाहिए। यह प्रक्रिया में ही समय लग रहा है। पिछले हफ्ते एमआरपीएल की 33 वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को जवाब देते हुए, कंपनी के अध्यक्ष सुभाष कुमार ने कथित तौर पर कहा है कि एमआरपीएल-एचपीसीएल विलय निश्चित रूप से कार्ड पर है। लेकिन ओएमपीएल का एमआरपीएल के साथ 2021 में विलय पूरा होने की उम्मीद कम है। एमआरपीएल के बोर्ड ने पिछले साल 19 अक्टूबर को ओएनजीसी से ओएमपीएल में 49 फीसदी

हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे ओएमपीएल का एमआरपीएल में विलय का रास्ता साफ हो गया है। एक बार यह हो जाने के बाद एमआरपीएल को एचपीसीएल के साथ विलय करने का अगला चरण शुरू हो जाएगा। ओएमपीएल, एमआरपीएल की सहायक कंपनी, ओएनजीसी और एमआरपीएल के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसे एमआरपीएल रिफाइनरी से उपलब्ध अतिरिक्त नेफ्था और सुगंधित धाराओं के मूल्यवर्धन के लिए स्थापित किया गया है। यह परिसर 914 केटीपीए पैरा-जाइलीन और 283 केटीपीए बेंजीन का उत्पादन करने वाली एशिया की सबसे बड़ी एकल धारा इकाई है। एमआरपीएल ओएनजीसी की एक सहायक कंपनी है और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत अनुसूची ए मिनीरत्न, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है। 31 दिसंबर, 2020 तक एमआरपीएल में ओएनजीसी की 71.63 प्रतिशत और एचपीसीएल की 16.96 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

51 हजार डॉलर के पार हुआ Bitcoin, इथेरियम, बाइनेंस क्वाइन और डॉजक्वाइन भी उछले

(एजेंसी):

दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन की कीमत 51,000 डॉलर से ऊपर चली गई। सिर्फ बिटक्वाइन ही नहीं, दुनिया की अन्य क्रिप्टोकरेंसी जैसे इथेरियम, बाइनेंस क्वाइन, डॉजक्वाइन, आदि में भी तेजी आई है। इससे क्रिप्टोकरेंसी के निवेशकों को फायदा हुआ है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण अब 3.17 फीसदी बढ़कर 2.35 लाख करोड़ डॉलर का हो गया है। पिछले 24 घंटों में क्रिप्टो बाजार की कुल वॉल्यूम (कारोबार किए गए सिक्कों की कुल राशि) 122.68 अरब डॉलर रही। पिछले कुछ हफ्तों से क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में अच्छी तेजी दिख रही है। इस तेजी में संस्थागत और रिटेल निवेशकों की अच्छी भागीदारी रही है। बिटक्वाइन जून में 29,000 डॉलर पर आ गई थी, जो छह महिने का निचला स्तर था। अब यह इस स्तर से काफी चढ़ चुकी है। हालांकि बिटक्वाइन अभी भी अपनी रिकॉर्ड कीमत से काफी दूर है, जो लगभग 65000 डॉलर है। बिटक्वाइन ने अप्रैल में यह स्तर छुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि बिटक्वाइन की कीमत में आगे भी अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है।

भारतीय निवेशक सतर्क

हालांकि भारत में जो क्रिप्टो के निवेशक हैं, वे अभी भी सावधानी बरत रहे हैं। कारण यह है कि भारत सरकार अभी भी क्रिप्टो को लेकर कोई फैसला नहीं कर पाई है। ऐसा इसलिए क्योंकि केंद्र सरकार जल्द ही क्रिप्टोकरेंसी पर बड़ा कदम उठा सकती है। सरकार इसे असेट या कमोडिटी की कैटेगरी में डाल सकती है। एक सूत्र ने कहा कि क्रिप्टो एसेट्स को उनकी तकनीक या एंड यूज के आधार पर परिभाषित किया जाएगा। फिलहाल सरकार के सामने यह दिक्कत है कि क्रिप्टोकरेंसी को क्या मानकर इस पर टैक्स लगाया जाए। इसे करेंसी, कमोडिटी या इक्विटी शेयर जैसा एसेट माना जाए या सर्विस।

ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों को ऋण दिलाने के लिए बैंकों, वित्तीय संस्थानों के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली (एजेंसी),

ओला इलेक्ट्रिक ने सोमवार को कहा कि उसने अपने एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर के ग्राहकों को आसानी से कर्ज उपलब्ध कराने के लिए एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा प्राइम और टाटा कैपिटल सहित प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ समझौता किया है। ओला का इलेक्ट्रिक स्कूटर आठ सितंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी ने पिछले महीने ओला एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को दो संस्करण- एस1 और एस1 प्रो पेश किए थे, जिसकी शो रूम कीमत क्रमशः 99,999 रुपये और 1,29,999 रुपये है। इसकी डिलीवरी अक्टूबर में शुरू हो जाएगी। इस कीमत में फेम-2 सब्सिडी शामिल है जबकि राज्य स्तरीय सब्सिडी शामिल नहीं है। ओला इलेक्ट्रिक के मुख्य विपणन अधिकारी वरुण दुबे ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने सभी प्रमुख बैंकों और (वित्तीय) संस्थानों के साथ समझौता किया है। इनमें से कई सुविधायें आठ सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी जबकि अन्य सुविधायें भी जल्द ही शुरू हो जायेंगी।'' ओला इलेक्ट्रिक ने जिन बैंकों और वित्तीय संस्थानों से करार किया है, उनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडसइंड बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, कोटक महिंद्रा प्राइम, टाटा कैपिटल और यस बैंक शामिल हैं। दुबे ने कहा कि चूंकि उपभोक्ता ऑनलाइन खरीदारी करेंगे, इसलिए पूरी प्रक्रिया ''बहुत सुविधाजनक'' होने वाली है और जो लोग वित्त पोषण चाहते हैं, वे इस विकल्प का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे पास बहुत ही आकर्षक वित्तपोषण विकल्प हैं, जिसमें एस1 की ईएमआई केवल 2,999 रुपये से शुरू होती है।''स्कूटर की डिलीवरी योजनाओं के बारे में दुबे ने कहा कि जिन लोगों ने बुकिंग कराई है, वे आठ सितंबर से शेष राशि का भुगतान करते इसे खरीद सकते हैं। दुबे ने कहा, ''इसके बाद अक्टूबर से उनके लिए डिलीवरी शुरू कर दी जाएगी। हम होम डिलीवरी करेंगे और हम वास्तव में स्कूटर को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे।''

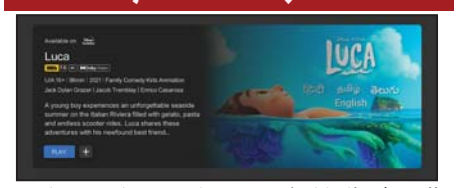

मी इंडिया ने अपना प्रीमियम स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो अपग्रेड किया; भारत में मी टीवी 5एक्स सीरीज़ लॉन्च की

डॉल्बी विज़न, डॉल्बी एटमॉस, एचडीआर10+ तथा आईएमडीबी इंटीग्रेशन के साथ लेटेस्ट पैचवॉल4 के सपोर्ट वाली स्मार्ट टीवी की यह नई श्रृंखला सबसे उत्तम मनोरंजन प्रदान करती है देश के नं. 1 स्मार्ट टीवी एवं स्मार्टफोन ब्रांड, मी इंडिया ने आज मी टीवी 5एक्स सीरीज़ की शुरुआत के साथ अपने स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो को अपग्रेड किया। यह लोकप्रिय मी टीवी 4एक्स सीरीज़ का उत्तराधिकारी है। नए लुक एवं प्रीमियम मैटल बेज़ेललेस डिज़ाइन के साथ मी टीवी 5एक्स सीरीज़ 3 आकारों, 43'', 50'' और 55'' में आती है, जो आपके वातावरण के अनुरूप पर्सनलाईज़्ड सिनेमेटिक अनुभव प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। मी टीवी 5एक्स सीरीज़ में सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटिक अनुभव के लिए अनेक नए फीचर्स एवं उन्नत टेक्नॉलॉजी हैं। प्रीमियम एवं ठोस मैटल डिज़ाइन के साथ इस टीवी में 96.6 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात है और यह ट्रू बेज़ेललेस डिस्प्ले प्रदान करता है।

इसमें 3840 × 2160p के रिज़ॉल्यूशन के साथ 4के डिस्प्ले पैनल है। यह टीवी सभी लोकप्रिय एचडीआर टेक्नॉलॉजी, जैसे डॉल्बी विज़न, एचडीआर 10+, एचडीआर 10 को सपोर्ट करता है। तीन वैरिएंट्स की इस सीरीज़ में शाओमी की इन्हेंस्ड प्रोप्रायटरी डिस्प्ले टेक्नॉलॉजी - एडैप्टिव ब्राईटनेस के साथ विविड पिक्चर इंजन 2 दिया गया है। एम्बेडेड फोटो-इलेक्ट्रिक सेंसर के साथ यह टीवी बैकलाईट को कमरे की लाईटिंग के अनुरूप ऑटोमैटिक रूप से एडजस्ट कर लेता है। स्क्रीन पर हर विवरण पूरी तरह से जीवंत लगे, इसके लिए इस टीवी में ''बिलियन कलर व्यू'' दिया गया है, जो डीसीआई-पी3 स्टैंडर्ड को 94 प्रतिशत कवर कर लेता है।

मी टीवी 5एक्स सीरीज़ में लेटेस्ट पैचवॉल 4 है, जो ज्यादा लाईट, तीव्र है और इसमें बेहतर डिज़ाइन है, जिससे यूज़र्स को ज्यादा समझदार अनुभव मिलता है। यह इंटीग्रेटेड आईएमडीबी रेटिंग के साथ आने वाला पहला स्मार्ट टीवी है। फिल्मों, शो एवं ऑनलाईन स्ट्रीमिंग कंटेंट पर आईएमडीबी के विस्तृत डेटाबेस की उपलब्धता टीवी में देखे जाने के लिए कंटेंट को चुनने की प्रक्रिया सुगम हो गई है क्योंकि उसका विवरण सीधे पैचवॉल होमस्क्रीन पर उपलब्ध हो जाता है। पैचवॉल 4 में कंटेंट क्योरेशन में कुछ नए सुधार किए गए हैं, खासकर 15 से ज्यादा भाषाओं में चयन और 30 से ज्यादा पार्टनर्स के मामले में। कुछ नई साझेदारियों में चौपाल (जो भारत में पैचवॉल लेकर आया) और लॉयन्सगेट प्ले हैं। यह नया अपडेट 75 से ज्यादा फ्री लाईव चैनल प्रस्तुत करेगा, जो सीधे पैचवॉल द्वारा एक्सेस किए जा सकेंगे।

ITC के सनफीस्ट बाउंस ने अपनी क्रीम बिस्किट रेंज को ग्लूकोज़ के साथ बनाया और भी मज़ेदार

ITC का सनफीस्ट बाउंस, जो कि क्रीम बिस्किट सेगमेंट में मार्केट लीडर है और बच्चों और बड़ों, सभी के बीच काफी पसंद किया जाता है, ने अपनी क्रीम बिस्किट्स की पूरी रेंज में अब ग्लूकोज़ को भी शामिल कर लिया है। ऐसा पहली बार होगा जब ग्राहक सनफीस्ट बाउंस के ऑरेंज, चॉकलेट, पाइनएप्पल, और इलायची फ्लेवर वाले मज़ेदार और स्वादिष्ट क्रीम बिस्किट्स का आनंद ग्लूकोज़ के साथ ले सकेंगे।

ग्राहकों के बीच एक सर्वे में पाया गया कि माताएं, अपने बच्चों को ऐसे प्रोडक्ट्स देना पसंद करती हैं जो अतिरिक्त अच्छाई के साथ आते हों। इसलिए सनफीस्ट बाउंस ने ग्राहकों के ग्लूकोज़ बिस्किट खाने के अनुभव को और बेहतर बनाने का फैसला किया, जहां एक ही बिस्किट में क्रीम और ग्लूकोज़, दोनों का मज़ा लिया जा सकता है।

इस लॉन्च पर और जानकारी देते हुए श्री अली हैरिस शेरे, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, बिस्किट्स एंड केक्स क्लस्टर, फूड डिविजन, ढ्ढञ्जष्ट लि. ने कहा कि, "ग्लूकोज़ और क्रीम बिस्किट्स, दोनों ही बिस्किट सगमेंट की सबसे बड़ी श्रेणी हैं। लेकिन ग्लूकोज़ बिस्किट्स में फिलहाल कुछ समय से कुछ नया देखने को नहीं मिला है। सनफीस्ट बाउंस के पोर्टफोलियो में ग्लूकोज़ को जोड़कर हम क्रीम बिस्किट कैटेगरी में न सिर्फ एक अनोखा कॉम्बिनेशन दे पाएंगे बल्कि क्रीम बिस्किट खाने वाले ग्राहकों को एक नया विकल्प भी मिलेगा। हमें उम्मीद है कि इस लॉन्च से क्रीम बिस्किट पसंद करने वाले ग्राहकों को कुछ अलग अनुभव मिलेगा, जिससे सनफीस्ट बाउंस को ग्राहक और ज्यादा पसंद करेंगे।"

ग्लूकोज़ वाला नया सनफीस्ट बाउंस 5 और 10 रुपए की कीमत में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उड़ीसा मार्केट में सभी दुकानों में उपलब्ध है।

बुमराह, रुट ओर शाहीन आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को पुरुष वर्ग से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। वहीं महिला वर्ग में थाईलैंड की नत्ताया बूचाथाम, आयरलैंड की गैबी लुईस और ऐमियर रिचर्डसन का चयन किया गया है। बुमराह ने इंग्लैंड के साथ जारी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले टेस्ट में 9 विकेट लिए। इसके बाद दूसरे टेस्ट में में 9वे विकेट के लिए मो शमी के साथ 89 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं इंग्लैंड की ओर से रूट ने तीनों टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी कर शतक लगाये हैं जबकि अफरीदी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच में शानदार गेंदबजी करते हुए 18 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महिला क्रिकेट में थाईलैड की नत्ताया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा आयरलैंड की लुईस और रिचर्डसन के अच्छे खेल से ही उनकी टीम टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर के चार में से तीन मैच जीतने में सफल रही।

सचिन ने रोहित को सराहा, बल्लेबाजी के स्तर को ऊपर ले गये

मुम्बई।

पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए उनके सफल होने का कारण भी बताया है। तेंदुलकर ने ओवल टेस्ट में रोहित के लगाये शतक की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस सीरीज के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वहीं इसके साथ ही सचिन ने चेतेश्वर पुजारा की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से ही पुजारा की क्षमताओं पर विश्वास था। उन्होंने ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में अपनी बल्लेबाजी से एक बार फिर अपने को साबित किया है। सचिन का मानना है कि रोहित इस सीरीज में अपनी बल्लेबाजी के स्तर को और ऊपर ले गए हैं और वो क्रीज पर सबसे सहज बल्लेबाजों में से एक नजर आ रहे हैं। वो शॉट खेलने में जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। क्रीज पर जमने का पूरा समय ले रहे हैं और सेट होने के बाद बड़े शॉट्स भी लगा रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में आया बदलाव इस सीरीज में उनके द्वारा खेली गई गेंदों की संख्या जानकर लगाया जा सकता है। रोहित ने ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 256 गेंदें खेलीं। यह इस शताब्दी में किसी भारतीय ओपनर द्वारा इंग्लैंड में किसी एक पारी में खेली गई तीसरी सबसे ज्यादा गेंदें हैं। इस सूची में मुरली विजय पहले स्थान पर हैं, जबकि राहुल द्रविड़ दूसरे पायदान पर हैं। मुरली विजय ने 2014 में

361 गेंद खेलकर 146 रन बनाए थे, वहीं द्रविड़ ने 2011 में 266 गेंद में नाबाद 146 रन बनाए थे।

शास्त्री, अरुण और श्रीधर कोरोना पॉजिटिव : रिपोर्ट

लंदन।

भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री, गेंदबाजी कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर का रविवार को हुआ आरटी-पीसीआर टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण यह तीनों 10 सितंबर से ओल्ड ट्रैफोर्ड में होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट मुकाबले के लिए मैनचेस्टर की यात्रा नहीं कर पाएंगे। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, शास्त्री, अरुण और श्रीधर के रविवार को हुए आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव पाए गए हैं। ये इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट के लिए मैनचेस्टर नहीं जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हालांकि इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। शास्त्री के करीबी संपर्क में आने के बाद अरुण, श्रीधर और टीम के फिजियो नितिन पटेल को रविवार को आईसोलेशन में भेजा गया था। बीसीसीआई ने रविवार को पुष्टि करते हुए कहा था कि शास्त्री का लेटेरल फ्लो टेस्ट पॉजिटिव आया है और उनके साथ उनके करीबी संपर्क में आए लोगों को आईसोलेट किया गया है।

यूएस ओपन : फ्रेंच ओपन चैंपियन क्रेजकिकोवा ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

न्यूयॉर्क। फ्रेंच ओपन विजेता चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजकिकोवा ने पूर्व नंबर-1 स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा को हराकर पहली बार यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्रेजकिकोवा ने मुगुरुजा को 6-3, 7-6(4) से हराया। आठवीं सीड क्रेजकिकोवा ने इसके साथ ही अपने पिछले 32 में से 29 मुकाबले जीत लिए हैं। क्रेजकिकोवा का सामना अब क्वार्टर फाइनल में नंबर-2 बेलारुस की अरिना सबालेंका से होगा। सबालेंका इस टूर्नामेंट में उच्च सीड वाली खिलाड़ी बची हैं। सबालेंका ने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एलिसे मर्टेंस को 6-4, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद, क्रेजकिकोवा अपनी बेंच पर बैठ गई और अपनी सांस के लिए संघर्ष करती हुई दिखाई दी। अंततः उन्हें फिजियो और टूर्नामेंट डॉक्टर द्वारा कोर्ट के बाहर मदद की गई।

कोरोना विवाद के बीच ब्राजील और अर्जेंटीना का विश्व कप क्वालीफायर निलंबित

साओ पाउलो ।

ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप क्वालीफायर मैच नाटकीय हालात में स्थगित करना पड़ा जब कोरोना वायरस प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने वाले तीन खिलाड़ियों को बाहर करने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदान में आना पड़ा। मैच में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और ब्राजील के नेमार भी खेल रहे थे। इस मैच को सातवें मिनट में ही रोकना पड़ा जब दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थी। खिलाड़ियों, कोचों, फुटबॉल अधिकारियों और स्थानीय अधिकारियों के बीच काफी बहस भी हुई। ब्राजील के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अर्जेंटीना के इंग्लैंड में बसे तीन खिलाड़ियों को पृथकवास में रहना चाहिये था लेकिन वे मैच खेल रहे थे। फीफा को अब तय करना है कि इस क्वालीफायर का आगे क्या होगा। ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी के अध्यक्ष अंतोनियो बारा टोरेस ने कहा कि ब्राजील का कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने के लिये अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जायेगा और उन्हें वापिस भेज दिया जाएगा। इन चारों को पृथकवास में रहने के लिए कहा गया था लेकिन तीन मैच खेलने उतरे थे। एस्टोन विला के

एमिलियानो मार्तिनेज और एमिलियानो ब्यूंदिया और टोटेनहम के जियोवान्नी लो सेल्सो और क्रिस्टियन रोमेरो को प्रीमियर लीग अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने छोड़ना नहीं चाहता था क्योंकि वापसी पर उन्हें दस दिन पृथकवास में रहना होगा। इसके साथ ही ब्राजील के पृथकवास नियमों ने परेशानी और बढ़ा दी।

संक्षिप्त समाचार

तस्मानिया सरकार टेस्ट की मेजबानी को लेकर अफगानिस्तान के स्थानीय लोगों से चर्चा करेगी

होबार्ट। तस्मानिया की सरकार ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच 27 नवंबर से एक दिसंबर तक होने वाले एकमात्र टेस्ट की मेजबानी को लेकर अफगान के स्थानीय नागरिकों के साथ चर्चा करेगी। इस मैच को तस्मानिया की राजधानी होबार्ट में आयोजित होना है, जिसने 2016 से किसी टेस्ट मैच की मेजबानी नहीं की है। राज्य सरकार हालांकि, अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट की स्थिति से चिंतित है। तस्मानिया प्रीमियर पीटर गुतवेइन ने बजट एस्टिमेट हियरिंग में कहा, मुझे इस बात की वास्तविक चिंता है कि क्या राज्य को महिला खेल के भविष्य के संदर्भ में कुछ बहुत स्पष्ट प्रतिबद्धताओं के बिना इस मैच को आयोजित करना चाहिए या नहीं। गुतवेइन ने कहा कि वह स्थानीय अफगान हजारा समुदाय के साथ संवाद करेंगे, जो होबार्ट में बसे हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं जो करने का इरादा रखता हूं, उस मैच के संदर्भ में, इस सप्ताह के अंत में हजारा समुदाय तक पहुंचना है और यहां के स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत करनी है ताकि उनके विचार को समझ सकें। हम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया) के साथ चर्चा की कोशिश करेंगे और मैं स्थानीय समुदाय से भी प्रतिक्रिया प्राप्त करना चाहता हूं।

पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की 15 सदस्यीय टीम

लाहौर। बल्लेबाज आसिफ अली और खुशदील शाह को यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने सोमवार को प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए यही 15 सदस्यीय टीम होगी। अली आखिरी बार इस साल अप्रैल में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 में शामिल हुए थे और टी20 क्रिकेट में उनका ओवरऑल स्ट्राइक रेट 147 का है। शाह ने इस साल लाहौर में आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टी20 मुकाबला खेला था। वसीम ने कहा, अली और शाह के नाम के आगे भले ही प्रभावशाली नंबर नहीं हैं लेकिन इनकी प्रतिभा पर किसी को शक नहीं है। हमें भरोसा है कि ये अपने मजबूत प्रदर्शन से मध्यक्रम में समाधान करेंगे। ओपनर शरजील खान, ऑलराउंडर फहीम अशरफ, शोएब मलिक, विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद और तेज गेंदबाज वहाब रियाज जैसे खिलाड़ी टीम में शामिल नहीं है। लेग स्पिनर उस्मान कादिर, अनकैप्ड तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी और ओपनर फखर जमान रिजर्व के तौर पर टीम के साथ जाएंगे। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ 25 सितंबर से लाहौर में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद उसे 13 और 14 अक्टूबर को रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलने हैं।पाकिस्तान की टीम इन सीरीजों के बाद टी20 विश्व कप के लिए दुबई रवाना होगी जहां ग्रुप-2 में वह भारत के साथ मुकाबले से अपने अभियान की शुरूआत करेगा।

पंत को क्रीज पर ज्यादा समय बिताने की जरुरत : मदन लाल

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी मदन लाल का मानना है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को क्रीज पर ज्यादा समय बिताने की जरुरत है बजाय कि वह इधर उधर शॉट खेल कर आउट हो जाएं। मदन लाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कल उन्होंने दूसरी पारी के दौरान अपने आप को परिस्थितियों के अनुकूल ढ़ाला जो कि सराहनीय है। वह एक अच्छे और टीम के लिए मूल्यवान खिलाड़ी हैं, उन्हें क्रीज पर और समय बिताने की जरुरत है बजाय कि वह लचीला शॉट खेल कर आउट हो जाएं।बांए हाथ के बल्लेबाज पंत ने रविवार को दूसरी पारी के दौरान 106 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। यह पंत का इस सीरीज में पहला अर्धशतक था। पंत का विकेट मोइन अली ने लिया। मदन लाल ने आगे कहा, अच्छी गेंदों पर आउट होना अलग बात है पर अपने विकेट को विरोधी टीम को तोहफे में देना गलत है। मुझे कल उनकी बल्लेबाजी देख कर अच्छा लगा, जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की लय को बनाए रखा। चाहे वो टेस्ट क्रिकेट हो या और कोई अन्य प्रारुप ऐसे ही बल्लेबाजी करनी चाहिए। पूर्व खिलाड़ी ने कहा, खेल के अंतिम दिन 271 रन का पीछा करना आसान नहीं है पर यह क्रिकेट है जहां कुछ भी हो सकता है। मुझे लगता है कि अभी खेल 60-40 से भारत के पक्ष में है। यानी कि 60 प्रतिशत भारत के जीतने की उम्मीद है जबकि 40 प्रतिशत इंग्लैंड के जीतने की उम्मीद है। इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के 141 साल के इतिहास में मात्र दो ही बार ऐसा संभव हो सका है कि 350 से अधिक के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया गया हो। मदन लाल ने कहा कि यह टेस्ट भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि अंतिम टेस्ट में वापसी करना आसान नहीं रहेगा। रोहित

शर्मा के शानदार शतक के लिए मदन लाल ने उनकी सराहना की। रोहित ने अपने टेस्ट डेब्यू के आठ साल बाद विदेशी जमीन पर पहला टेस्ट शतक लगाया। मदन लाल ने कहा, रोहित इस सीरीज पर लगातार शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। शतक से पहले उन्होंने दो अर्धशतकीय पारी खेली थी। वह अलग श्रेणी के खिलाड़ी हैं, उन्होंने परिस्थितियों को बखूबी समझा है।

आईपीएल 2021 : डिविलियर्स दुबई पहुंचे, क्वारंटीन के बाद टीम से जुड़ेंगे

दुबई।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी एबी डिविलियर्स सोमवार को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए दुबई पहुंच गए। डिविलियर्स को यहां पहुंचने के बाद छह दिनों का क्वारंटीन पूरा करना है जिसके बाद वह टीम के साथ अभ्यास कर सकेंगे। डिविलियर्स ने लिख, अमीरात के स्टाफ शानदार रहे, मेरा जैथेरिजोटमें बढ़िया स्वागत हुआ। आने वाले छह दिन उत्साह से भरपूर होने वाले है और मेरे कमरे के बाहर भी शानदार नजारा है। आरसीबी टीम के ज्यादातर घरेलू खिलाड़ी 29 अगस्त को दुबई पहुंचे थे और उन्होंने हाल ही में क्वारंटीन पीरियड खत्म करने के बाद ट्रेनिंग शुरू की है। आरसीबी के क्रिकेट संचालन निदेशक एवं कोच माइक हेसन ने फ्रेंचाइजी द्वारा यू-ट्यूब पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि डिविलियर्स सोमवार को दुबई पहुंचेंगे। हेसन ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल दो-तीन दिनों में शामिल होंगे जबकि न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर काइल जैमिसन 10 सितंबर को टीम से जुड़ेंगे। आरसीबी इस समय सात मैचों में 10 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। वह 20 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का अभियान शुरू करेगी।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी खुश हूं: स्टीमैक

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टीमैक का कहना है कि वह अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी खुश हैं। भारतीय टीम ने रविवार को काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में मेजबान नेपाल के खिलाफ दूसरे दोस्ताना मुकाबले में 2-1 से जीत दर्ज की। सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम ने दो सितंबर को पहले मैच में 1-1 से ड्रॉ खेला था। स्टीमैक ने कहा, मुझे लगता है कि यह फुटबॉल का एक अच्छा खेल रहा जिसका सभी प्रशंसकों ने आनंद लिया। यह मुकाबला पिछले मैच की तुलना में काफी बेहतर था। हमें खिलाड़ियों को उनके रवैये और खेल को जीतने पर बधाई देनी चाहिए। स्टीमैक ने कहा कि दोनों अंतरराष्ट्रीय टीमों में भारत बेहतर बनकर उभरा है। कोच ने नेपाल टीम की भी प्रशंसा करते हुए कहा, नेपाल ने अच्छा खेला, उन्होंने बहुत सुधार किया। मैं देख सकता हूं कि टीम ने दो महीने की तैयारी के दौरान खेल को सुधारा है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत के पास अभी भी सुधार करने के लिए बहुत कुछ है।

अब एशियाई खेलों के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए स्वत: क्वालीफाई करने पर फोकस : मनप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक में मिले ऐतिहासिक कांस्य का जश्न अब बंद करके अगले साल के एशियाई खेलों में पीला तमगा जीतने पर फोकस करना होगा ताकि पेरिस ओलंपिक के लिये स्वत: क्वालीफिकेशन मिल सके। टोक्यो में 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतकर लौटी भारतीय पुरूष हॉकी टीम का लगातार यशगान हो रहा है। तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में जर्मनी पर 5-4 से मिली जीत को एक महीना हो गया है और मनप्रीत ने कहा कि अब 2022 के लिए रणनीति बनाने का समय है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में हमें लोगों का बहुत प्यार और तारीफ मिली। मुझे लगता है कि अब शरीर और दिमाग को आराम देने की जरूरत है। हमने सम्मान समारोहों का पूरा मजा लिया। हम इस प्यार और सम्मान से अभिभूत हैं लेकिन अब 2022 में बेहतर प्रदर्शन पर भी ध्यान देना है। एशियाई खेल अगले साल 10 से 25 सितंबर तक चीन में होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण पदक लेकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना होगा। मनप्रीत ने कहा कि पिछली बार हम चूक गए थे और हमने कांस्य पदक जीता। हम खुशकिस्मत थे कि ओलंपिक क्वालीफाइंग मैच भारत में हुए लेकिन हर बार उस पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें एशियाई खेल जीतने होंगे ताकि पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारी के लिये पूरा समय मिल सकें। भारतीय महिला हॉकी टीम भी ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही। मनप्रीत का मानना है कि इससे देश में खेल की

लोकप्रियता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह भारतीय हॉकी के लिए नई शुरूआत है। महिला टीम ने भी अच्छा खेला है और हॉकी को वह समर्थन मिल रहा है जो कभी मिलता था।

यूएस ओपन : मेदवेदेव ने इवांस को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

न्यूयॉर्क। दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव ने ब्रिटेन के डेनियल इवांस को हराकर यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेदवेदेव ने एक घंटे 43 मिनट तक चले मुकाबले में इवांस को 6-3, 6-4, 6-3 से हराया। मेदवेदेव ने इस दौरान 24 विनर्स लगाए। 25 वर्षीय खिलाड़ी टोक्यो ओलंपिक से मजबूत फॉर्म में हैं। उन्होंने टोरंटो में अपना चौथा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता और वह सिनसिनाटी के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

मेदवेदेव का सामना नीदरलैंड के क्वालीफायर बोटिक वान डे जांड्सचुल्प से होगा जिन्होंने 11वीं सीड डिएगो श्वार्ट्जमैन को पांच सेटों तक चले मुकाबले में 6-3, 6-4, 5-7, 5-7, 6-1 से मात दी। मेदवेदेव ने कहा, राफेल नडाल के हाथों 2019 में फाइनल में मिली हार के बाद जब मैं पिछली बार यहां आया तो कुछ अच्छी यादें मेरे साथ थी। मैं अब फिर फाइनल में जाना चाहता हूं।

पैसे या उपचार के अभाव में किसी की मौत न हो : पटेल

समारोह में पटेल ने कहा कि राज्य में अब तक ३५ लाख से अधिक परिवारों को इससे लाभ हुआ है

अहमदाबाद।

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा है कि गुजरात में पैसे या उपचार के अभाव में किसी की मौत नहीं हो यही हमारा संकल्प है। गुजरात में पिछले २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के १४ नए मरीज मिले हैं। उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने गुजरात में जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई मां अमृतम योजना को १० साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में कहा कि राज्य में अब तक ३५ लाख से अधिक परिवारों को इससे लाभ हुआ है। सरकार ने ६२०० करोड़ रुपये खर्च कर लोगों को मुफ्त उपचार उपलब्ध कराया है। राज्य की ढाई से ३ हजार सरकारी व गैर सरकारी अस्पताल में इसके तहत उपचार होता है। राज्य की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना को लेकर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते २०१२ में कैंसर, हृदय रोग, किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मां योजना की शुरुआत की थी। राज्य में कोरोना संक्रमण के अब तक ८ लाख २५४९० केस हो चुके हैं। इनमें से ८ लाख १५२६२ से अधिक लोग स्वस्थ होकर घर पहुंच गए हैं। राज्य में कोरोना से अब तक १००८२ लोगों की मौत हो चुकी है। गुजरात के ६ जिलों में कोरोना संक्रमण के केस सामने आए जबकि २७ जिलों में संक्रमण तथा मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। महाराष्ट्र से आए एक परिवार के ३ लोगों के संक्रमित पाए जाने के बाद वडोदरा स्वास्थ्य कर्मचारियों के हाथ पांव फूल गए इनमें से एक युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि २ लोगों को घर पर ही आइसोलेशन में रखा है। राज्य में एक्टिव केसों की संख्या १४६ है जिनमें से सबसे अधिक वडोदरा में ४९ केस है। कोरोना महामारी के चरम पर अहमदाबाद जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा जहां अब सक्रिय केसों की संख्या ३८ रह गई है सूरत में १८ मरीज भर्ती है। राज्य के अमरेली, अरवल्ली, आणंद, बनासकांठा, भरूच, छोटा उदेपुर, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, खेड़ा, मोरबी, नवसारी, पंचमहाल, पाटण, साबरकांठा, सुरेंद्रनगर और वलसाड जिले में कोई केस नहीं है। गुजरात में बीते २४ घंटे में वडोदरा महानगर पालिका में चार सूरत महानगर पालिका में तीन अहमदाबाद, भावनगर एवं गांधीनगर महानगर पालिका में कोरोना संक्रमण के एक - एक मामले दर्ज किए गए। सूरत जिले में संक्रमण के दो मामले नवसारी में १ तथा वडोदरा में एक मामला दर्ज किया गया। रविवार को गुजरात में ४ लाख ८०४१० लोगों को टीका लगाया गया। राज्य में अब तक ४ करोड़ ९१ लाख ३४५३३ टीके लगाए जा चुके हैं।

सूरत से बिहार के लिए रवाना हुई पहली कपड़ा पार्सल ट्रेन

सूरत।

कोरोनाकाल के दौरान कपड़ा उद्योग सहित के सभी उद्योगों पर गंभीर असर हुआ था। सभी उद्योग अब धीरे-धीरे यह संकट से बाहर हो रहे है। ऐसे में सूरत कपड़े उद्योग में तेजी लाने के लिए महत्व का निर्णय लिया गया है। सूरत से कपड़ा सामग्री को बिहार तक पहुंचाने के लिए २५ डिब्बे की पहली विशेष कपड़ा पार्सल ट्रेन शुरू की गई है जिसे शनिवार को सूरत से बिहार के लिए रवाना की गई थी। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने रविवार को इस मामले में जानकारी देते हुए कहा कि, सस्ता, स्पीड और सुरक्षित ट्रांसपोर्ट द्वारा सूरत के कपड़े बाजार में तेजी लाने के उद्देश्य से विशेष ट्रेन शुरू की गई है। पश्चिम रेलवे ने बताया कि रेलवे और कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने शनिवार को सूरत के उधना न्यू गुड्स शेड से पटना निकट दानापुर और मुज फ्फरपुर के रामदयालु नगर के लिए यह विशेष ट्रेन को हरी झंडी बताकर रवाना की गई थी। इस दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी सहित स्थानीय विधायक और फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रमुख मौजूद रहे। रेलवे तरफ से बताया गया कि, उधना न्यू गुड्स शेड में एनएमजी डिब्बे में पहली बार कपड़ा सामग्री को लोड किया गया था। इस दिशा में पहली बार कपड़ा पार्सल ट्रेन उधना से कपड़ा सामग्री लेकर पटना के मुजफ्फरपुर के लिए चलाई गई है। इसके पहले पश्चिम रेलवे के मुंबई विभाग ने हाल में ही पहली बार २०२.४ टन कपड़ा सामग्री को सूरत से चलथण से कोलकाता के शालीमार तक पहुंचाई गई थी।

५०% पैरेंट्स १ से ५वीं तक के स्कूल खोलने के पक्ष में

दूसरी तरफ उधना के एक स्कूल में ९वीं के दो छात्र पॉजिटिव आ गए हैं, स्कूल को ७ दिन के लिए बंद करा दिया गया

सूरत।

गुजरात में ६ से १२वीं तक की कक्षाएं शुरू हो जाने से अब स्कूल १ से ५वीं तक के बच्चों को बुलाने के लिए अभिभावकों के बीच सर्वे करा रहे हैं। दूसरी तरफ उधना के एक स्कूल में ९वीं के दो छात्र पॉजिटिव आ गए हैं। अभिभावक संगठन वाली मंडल ने सोशल मीडिया पर सर्वे शुरू किया है। इस सर्वे के नतीजे को राज्य सरकार को तब दिखाया जाएगा जब वह प्राइमरी के बच्चों को स्कूल बुलाने का आदेश जारी करेगी। अब तक २ दिनों के सर्वे में ५०% अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार हैं। उधना में लियो सनग्रेस स्कूल में दो छात्र पॉजिटिव मिले। इस वजह से स्कूल को ७ दिन के लिए बंद करा दिया गया है। शनिवार को ९वीं के एक छात्र का रैपिड टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इससे एक हफ्ते पहले ही स्कूल में ११वीं का एक छात्र पॉजिटिव आया था। शनिवार को महानगर पालिक के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्कूल के ५४ छात्रों का कोरोना रैपिड टेस्ट किया था। सिविल और स्मीमेर अस्पताल में कोरोना के सिर्फ एक-एक मरीज भर्ती हैं। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीन मरीज संदिग्ध हैं, जिनकी रिपोर्ट आनी अभी बाकी है। वहीं निजी अस्पतालों में ३ मरीजों का इलाज चल रहा है। रविवार को शहर के रांदेर जोन में एक, उधना जोन में एक और अठवा जोन में एक-एक संक्रमित मिले। शहर और ग्रामीण को मिलाकर कुल ५ नए केस आए। शहर का एक मरीज ठीक हुआ है। अब तक १४३६१३ पॉजिटिव आ चुके हैं, १४१४३९ मरीज ठीक हो चुके है। मौत नहीं हुई। इससे मौत का आंकड़ा २११५ पर स्थिर है। मनपा स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभी रोजाना ११ से १२ हजार जांच हो रही है।

गणपति स्पेशल ट्रेनों में २ से ७ अतिरिक्तकोच जोड़े जाएंगे

सूरत।

पश्चिम रेलवे सितंबर में १० गणपति स्पेशल ट्रेनों के ४२ फेरे चला रही है। गणपति फेस्टिवल के मद्देनजर चलने वाली रेगुलर ट्रेनों में जगह नहीं है और ट्रेनों की बुकिंग पूरी हो चुकी है। इसे देखते हुए पश्चिम रेलवे ने अपनी ५ जोड़ी गणपति स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्तकोच जोड़ने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या ०९१९५/९६ उधना-मडगांव स्पेशल ट्रेन उधना से ९ सितंबर को तथा मडगांव से १० सितंबर को एक अतिरिक्त एसी-३, चार स्लीपर क्लास एवं दो सेकंड क्लास सीटिंग कोच सहित कुल सात अतिरिक्त कोच के साथ चलेगी। इस ट्रेन में ७ कोच जुड़ने से यात्रियों को ५७४ अतिरिक्त सीटें मिलेंगी। ट्रेन संख्या ०९१९३/९४ बांद्रा टर्मिनस-मडगांव एसी स्पेशल ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से ७ सितंबर को तथा मडगांव से ८ सितंबर को एक अतिरिक्त एसी ३ और एक अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या ०९१८३/८४ मुंबई सेंट्रल-सुरतकल स्पेशल ट्रेन मुंबई सेंट्रल से ८ और १५ सितंबर को तथा सुरत???कल से ९ और १६ सितंबर को दो अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या ०९१८५/८६ मुंबई सेंट्रल-मडगांव स्पेशल ट्रेन मुंबई सेंट्रल से १० और १७ सितंबर को तथा मडगांव से ११ और १८ सितंबर को दो अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच के साथ चलेगी। इसमें दो अतिरिक्त कोच बढ़ने से सीटें बढ़ जाएंगी। दिवाली और छठ के लिए सूरत से बड़ी संख्या में लोग यूपी-बिहार जाते हैं। यही कारण है कि मौजूदा ट्रेन फुल हो चुकी हैं। २० अक्टूबर से ट्रेनों में भारी भीड़ है। कोरोना प्रोटोकाल के कारण अभी मौजूदा ट्रेनें स्पेशल नंबर से चलाई जा रही हैं, जिनमें वेटिंग और जनरल टिकट मान्य नहीं हैं। ऐसे में कन्फर्म टिकट वाले ही यात्रा कर पा रहे हैं।

सूरत भूमि,सूरत। लिंबायत के अनवर नगर खाड़ी ओवरफ्लो होने की वजह से मीठी खाड़ी का विस्तार पूरी तरह से जलमग्न हो गया।

पांच साल में पहली बार बुखार के १२०० मरीज भर्ती

सूरत।

शहर में सीजनल फीवर के मरीज बढ़ रहे हैं। इस समय सिविल और स्मीमेर अस्पताल में सीजनल फीवर के १२०० मरीज भर्ती हैं। सिविल में रोजाना वायरल फीवर के ४०० से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। इसमें ५० से अधिक मरीजों की स्थिति खराब होने से एडमिट करना पड़ रहा है। यही हाल स्मीमेर अस्पताल का भी है। वहां रोजाना ३०० से अधिक मरीज इलाज के लिए जा रहे हैं। इनमें से लगभग ५० मरीजों को एडमिट किया जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सूरत के प्रमुख डॉक्टर हीरल शाह ने बताया कि निजी अस्पतालों मे रोज १५००० से २०००० मरीज आ रहे हैं, इनमें से ६०% वायरल फीवर के होते हैं। पिछले चार साल में इस बार सबसे ज्यादा सीजनल फीवर के मरीज आ रहे हैं। मौसम में लगातार बदलाव के चलते उमस बढ़ी है। डॉक्टरों का कहना है कि उमस से वायरल इफेक्शन को सपोर्ट मिलता है, जिससे यह तेजी से बढ़ रहा है। इस बार लगातार अच्छी बारिश नहीं हो रही है। दो-तीन दिन रिमझिम बारिश होती है उसके बाद तेज धूप निकल जाती है। बारिश होते ही तापमान अचानक घट जाता है और जैसे ही बारिश बंद होती है तापमान तेजी से बढ़ जाता है। इससे उमस होती है। इसी कारण से वायरल इफेक्शन तेजी से फैल रहा है। इलाज में देरी और लापरवाही से वायरल फीवर का मरीज गंभीर हो सकता है। शुक्रवार को एक और शनिवार को दो मरीजों की जान जा चुकी है। शुक्रवार को लिंबायत के एक युवक की जांच चली गई थी, जबकि शनिवार को अडाजण के अधेड़ और पांडेसरा में ११ साल के बच्चे की जान चली गई। इन्हें बुखार और उल्टी-दस्त की शिकायत थी। कुछ लोगों को बीमारी के दूसरे या तीसरे दिन तो कुछ को हफ्तेभर में आराम हो रहा है।

कामरेज नागरिक समिति द्वारा भटक रहे गायों के संबंध में मामलतदार को आवेदन पत्र दिया

सूरत भूमि, सूरत।

हिंदू संस्कृति में गायों का बहुत महत्व है। गाय के विकास के साथ ही देश के विकास सहित कई मुद्दों को ध्यान में रखा जाता है गाय को मां के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में गाय माता सार्वजनिक सड़क पर भटकती है कुछ भी खाती है, जिसे देखकर दुख होता है और साथ ही यातायात की कई समस्याओं के कारण जान भी चली जाती है.

बारडोली में आवारा गायों के लिए एक बहुत अच्छा सेवा कार्य चल रहा है जिसमें तंत्र का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है जो एक बहुत बड़ी प्रेरणा हो सकती है।

कामरेज चार रास्ता सहित कई भीड़भाड़ वाले इलाके जैसे कामरेज बापा सीताराम चौक चार रास्ता जिसमें नवागाम कामरेज गाम रोड भी शामिल है. इसे मार्ग में एक बाधा के रूप में देखा जा सकता है जिसके साथ भयानक यातायात का प्रश्न भी खड़ा हो गया है। कामरेज नागरिक समिति ने कामरेज मामलतदार साहेब को दिया आवेदन पत्र इस संबंध में कामरेज नागरिक समिति ने मांग की है कि गायों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था के लिए तंत्र जागृत बने।

एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड रु. 224.65 करोड़ का राइट्स इश्यू 23 सितंबर को खुलेगा

अहमदाबाद।

भारत के अग्रणी टाइल्स ब्रांड में से एक एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड (एजीआईएल) 23 सितंबर, 2021 को अपना राइट्स इश्यू खोलने वाली है। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कुछ निश्चित बकाया उधारी के भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए, कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। राइट्स इश्यू प्रति शेयर 100 रुपये की किमत पर पेश किया गया है जो 3 सितम्बर को 166 रुपये प्रति शेयर की किमत से 40 प्रतिशत कम है. राइट्स इश्यू 7 अक्टूबर, 2021 को बंद होगा। राइट्स इश्यू में राइट्स एंटाइटेलमेंट प्राप्त करने के हकदार इक्विटी शेयरधारकों को निर्धारित करने के उद्देश्य से कंपनी 9 सितंबर, 2021 को रिकॉर्ड तिथि के रूप में तय करती है।

कंपनी 100 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (90 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर नकद के लिए 10 रुपये के अंकित मूल्य के 2,24,64,188 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर जारी करेगी, जो कुल मिलाकर 224.65 करोड़ रुपये है। 19:29 के अनुपात में पात्र इक्विटी शेयरधारकों को राइट्स बेसिस पर यह शेयर दिए जाएंगे (रिकॉर्ड तिथि के अनुसार, कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों द्वारा धारित पूर्ण रूप से प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक 29 इक्विटी शेयरों के लिए 19 इक्विटी शेयर)।

एशियन ग्रैनिटो इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री कमलेश पटेल ने यह गतिविध पर टिप्पणी करते हुए कहा, "कंपनी ने हाल के दिनों में कर्ज को कम करने, टाइल्स और निर्माण सामग्री के मुख्य व्यवसाय को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। कंपनी का लक्ष्य एसेट लाइट और कैपिटल लाइट बिजनेस मॉडल की ओर बढ़ने का है। इश्यू की आय कंपनी की बैलेंस शीट को और मजबूत करेगी, कर्ज को कम करेगी और इसकी रणनीतिक विकास पहलों को निधि देने में मदद करेगी। इन सभी उपायों के साथ, कंपनी वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही स्टैंडअलोन आधार पर ऋण मुक्त हो सकती है।"

प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के शेयरधारकों ने 58.68 करोड़ रुपये तक की भागीदारी की पुष्टि की है। कुछ प्रमोटर और प्रमोटर समूह के शेयरधारकों ने यह भी संकेत दिया है कि, यदि राइट्स इश्यू अंडरसब्सक्राइब किया गया है, तो वे लागू कानूनों के अधीन, सब्सक्राइब नहीं हुए हिस्से की हिस्से या पूरी राशि को सब्सक्राइब करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

राइट्स इश्यू के बाद, कंपनी के कुल बकाया शेयर जून 2021 तक 3,42,87,446 इक्विटी शेयरों से बढ़कर 5,67,51,634 इक्विटी शेयर हो जाने चाहिए। राइट्स इश्यू के लीड मैनेजर होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और बीओआई मर्चेंट बैंकर्स लिमिटेड हैं।

जोश ला रहे हैं 'वर्ल्ड फेमस' मेगा टैलेंट हंट का दूसरा संस्करण

सूरत।

इस साल की शुरुआत में लखनऊ में अपने पहले संस्करण की अभूतपूर्व सफलता के बाद, जोश ने देश के सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे आकर्षक लघु वीडियो ऐप, अपने मेगा टैलेंट हंट च्वर्ल्ड फेमसज् का दूसरा संस्करण लॉन्च किया। एक अलग तरह के आईपी के साथ, जोश दुनिया के लिए देश की छिपी प्रतिभा में से अगले 10,000 सितारों की तलाश कर रहा है। यह मल्टी-सिटी टैलेंट हंट अब अपनी यात्रा के दूसरे चरण में पहुंच गया है, जिसमें यह डायमंड सिटी- सूरत में आ गया है।

गुजरात के तीन शहरों में एक रोमांचक 20-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जो सूरत से शुरू होगा और 22 सितंबर, 2021 को एक भव्य समापन से पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में, यह उभरते सितारों का पता लगाएगा। जैसे ही जोश सूरत की सड़कों पर सितारों के अगले सेट के लिए चलते हैं, ऐसा लगता है कि शहर भी सृजन से गुलजार हो जाएगा, क्योंकि जोश के सलाहकार उभरते सितारों के साथ चर्चा करने के लिए मॉल, कैफे, कॉलेज और स्थानीय लोगों के बीच खड़े होंगे।

यह अद्भुत अभियान जोश ऐप पर डिजिटल रूप से लॉन्च किया गया है, जिससे शहर के रसोइयों, नर्तकियों, कवियों, गायकों, फोटोग्राफरों या कलाकारों को हैशटैग #WorldFamousInGujarat का उपयोग करके ऐप पर अपनी कला दिखाने का मौका मिलता है। शहर की कुछ नई और आधुनिक सामग्री वाले वीडियो को 12 सितंबर, 2021 को सेमीफाइनल के लिए शॉर्ट-लिस्ट किया जाएगा, जहां उन्हें प्रसिद्ध अभिनेत्री मौनी रॉय द्वारा सलाह दी जाएगी और स्टार बनने की अपनी यात्रा के लिए तैयार किया जाएगा। टूर के विजेता को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में ग्रैंड फिनाले के लिए बुलाया जाएगा, जहां बॉलीवुड सेलिब्रिटी सोनू सूद विजेताओं के अंतिम सेट की घोषणा करेंगे और उन सभी को देश की पहली और सबसे बड़ी औपचारिक निर्माता प्रशिक्षण अकादमी जोश ऑल स्टार्स में नामांकित करेंगे।

वर्ल्ड फेमस के दूसरे संस्करण के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, जोश स्टूडियोज के प्रमुख, सहर बेदी कहते हैं, "लखनऊ में अपनी अभूतपूर्व सफलता के बाद, हम यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं कि हमें गुजरात में क्या मिलता है। यहां हम 'पश्चिम के हीरे' से असली हीरा खोजने आते हैं। अगर लखनऊ ने हमें सब कुछ सिखाया है, तो हम केवल सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करते हैं। हमने जोश को रचनात्मकता का जश्न मनाने के उद्देश्य से उठाया और विश्व प्रसिद्ध उसी उद्देश्य का एक और पहलू है। हर प्रतिभा अलग होती है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, इसलिए जोश पूरे देश से इन 10,000 सितारों को खोजने के लिए यहां हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)